

अख़बद भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

शुक्रवार 12 जनवरी 2024

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

एनसीपी नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत छह महीने के लिए बढ़ी

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत छह महीने के लिए और बढ़ा दी है। कोर्ट ने नवाब मलिक की किडनी की समस्या बरकरार रहने के चलते अंतरिम जमानत अवधि को बढ़ाने का आदेश दिया। नवाब मलिक की ओर से कहा गया कि उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। नवाब मलिक की ओर से पेश बकील ने ताजा मेडिकल रिपोर्ट सौंपते हुए कहा कि उनकी किडनी काफी खराब है। मेडिकल रिपोर्ट का ईडी की ओर से पेश एएसएसवी राजू ने विरोध नहीं किया। इसके पहले 12 अक्टूबर, 2023 को कोर्ट ने नवाब मलिक को अंतरिम जमानत तीन महीने के लिए बढ़ाई थी। 11 अगस्त, 2023 को कोर्ट ने नवाब मलिक को स्वास्थ्य के आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी। नवाब मलिक को 23 फरवरी, 2022 को ईडी ने कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़ी संपत्ति के लेनदेन के मामले में मनी लाँड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था।

देश में कोरोना के 514 नए मामले, तीन की मौत

नई दिल्ली देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 514 नए मामले सामने आए हैं जबकि तीन मरीजों की मौत हुई है। इस अवधि में 732 मरीज स्वस्थ हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3422 हो गई है। कोरोना ने उत्तराखंड में भी दस्तक दी जहां एक नया मामला सामने आया है।

प्रधानमंत्री आज महाराष्ट्र का करेंगे दौरा

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री महाराष्ट्र में 30,500 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे।

पूर्वी कमान प्रमुख पहुंचे मणिपुर, सुरक्षा का लिया जायजा



सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों से मिले स्थिति की जानकारी ली। यात्रा के दौरान तिवारी ने स्थानीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की और समस्याओं को जाना

इंफाल सेना के पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा किया। इस दौरान वे कई जिलों में गए और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वे सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों से मिले स्थिति की जानकारी ली। यात्रा के दौरान तिवारी ने स्थानीय समुदाय

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी पर्व त्योहारों के दृष्टिगत सुदृढ़ कानून-व्यवस्था व श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में गुरुवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस कमिश्नरों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व पुलिस कप्तान गणों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की और व्यापक जनहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विशेष बैठक में अयोध्या, गोरखपुर और प्रयागराज के मंडलायुक्त ने अलग-अलग प्रस्तुतिकरण कर अपनी तैयारियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया और मार्गदर्शन प्राप्त किया। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के बालरूप के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा का बहुप्रतीक्षित समारोह होने वाला है। देश-विदेश से धर्म, राजनीति, उद्योग, विज्ञान, सिनेमा, साहित्य, कला सहित अनेक क्षेत्रों के लब्धप्रतिष्ठ जन, संत समाज इसके साक्षी होंगे। मकर संक्रांति से गोरखपुर में खिचड़ी मेला, प्रयागराज में माघ मेला प्रारंभ हो रहा है। फरुखाबाद में भी प्राचीनकाल से कल्पवृक्ष की व्यवस्था है। इसी माह 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन है, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह है। कानून-व्यवस्था की दृष्टि से आने वाला समय अत्यंत संवेदनशील है। ऐसे में हमें पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह



'त्रिवेणी तट पर माघमेला की तैयारियां पूर्ण करें'

सीएम ने कहा कि प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर माघमेला की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। माघ मेले का पहला स्नान 15 जनवरी को होगा। हर श्रद्धालु-हर कल्पवृक्षी अपने व्रत-संकल्प की पूर्ति अपनी आस्था अनुरूप कर सकें, इसके लिए हमें अच्छी व्यवस्था देनी होगी, उनकी जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा। साधु-संतों और कल्पवासियों से संवाद बनाएं। भूमि-आवंटन बेहतर ढंग से करें। यह आयोजन



प्रयागराज कुम्भ 2025 का पूर्वाभ्यास है। प्रयागराज माघ मेले में प्रयास हो कि श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े। गोरखपुर में श्रीगोरखनाथ मन्दिर के

हर मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में तैयार किया जाए: सीएम

सीएम ने कहा कि अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और उसके बाद अयोध्या आने वाले हर मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में तैयार किया जाए। वहीं भी अतिक्रमण न हो। अपरिहार्य स्थिति को छोड़ कहीं भी कोई वाहन न खड़ा हो। यदि ऐसा होता हुआ पाया जाये तो उस

वाहन को तत्काल क्रैन् से हटाया जाए। आगामी 24 जनवरी को यूपी दिवस का समारोह है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस है। पूरे प्रदेश को इससे जोड़ा जाए। राज्य सरकार के सभी लोककल्याणकारी प्रयासों के मूल में आम आदमी की संतुष्टि और प्रदेश की उन्नति है।

'22 जनवरी के बाद अयोध्या में हर दिन 2-3 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना'



सीएम योगी ने कहा कि 22 जनवरी के बाद अयोध्या में हर दिन 2-3 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। अयोध्या प्रशासन को इसके लिए तैयार रहना होगा। पार्किंग और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा। परिवहन विभाग कम से कम 500 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाए। सुरक्षा के लिए 247 मुस्तैद रहना होगा। अयोध्या में होटलों/धर्मशालाओं/टेंट सिटी और होम स्टे की आवासीय सुविधा को और बेहतर करने की आवश्यकता है। इनकी संख्या को बढ़ाया जाना आवश्यक है। जो लोग भी यहां रुके उन्हें बेहतर आतिथ्य मिले। मेलों आदि की अवसर पर जबकि बड़ी संख्या में

आमजन की उपस्थिति रहती है। ऐसे मौके पर टप्पेबाज, छिनेती करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। इन पर विशेष निगरानी हानी चाहिए। प्रदेश में ठंड और कोहरे का बड़ा असर है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि कोई भी व्यक्ति ठंड से टिडुरता न हो, हर जरूरतमंद को कम्बल उपलब्ध कराएं। रैन बसेरों को एक्टिव करें। अधिकारिगण फील्ड में उतरें। सेवाभाव के साथ जरूरतमंदों की मदद करें। ठंड के मौसम में हमें पशुओं का भी ध्यान रखा होगा। गो-आश्रय स्थलों में शीतलहर से बचाव और चारा आदि के प्रबंध किए जाएं। अयोध्या के साथ-साथ जहां कहीं भी मेलों का आयोजन हुआ है।

'एक देश, एक चुनाव' पर ममता बनर्जी को आपत्ति, - यह संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ

कोलकाता तृणमूल कांग्रेस की चीफ और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक देश एक चुनाव को लेकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति को पत्र लिखा है। इस पत्र में ममता बनर्जी ने 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर असहमति जताई और लिखा कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करना भारत की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है। यह संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ



पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा कि 'साल 1952 में पहले आम चुनाव केंद्र के साथ राज्य स्तर पर भी हुए थे। कुछ साल तक ऐसे ही चला, लेकिन फिर यह सह अस्तित्व टूट गया। मुझे दुख है कि मैं इस एक देश-एक चुनाव के कॉन्सेप्ट के साथ

सहमत नहीं हो सकती। हम आपके प्रस्ताव से असहमत हैं।' पश्चिम बंगाल की सीएम के अनुसार, 'वेस्टमिन्सिस्टम में संघीय और प्रदेश स्तर के चुनाव अलग-अलग होंगे। मुझे दुख है कि मैं इस एक देश-एक चुनाव के कॉन्सेप्ट के साथ

गिफ्टी सिटी 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने के विजन का होगा प्रवेश द्वार: सीतारमण

गांधीनगर/नई दिल्ली केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि गिफ्टी सिटी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन का प्रवेश द्वार होगा। सीतारमण ने कहा कि भारत अब विश्व के विकास इंजन को चला रहा है। अब यह विकसित पश्चिमी दुनिया और ग्लोबल साउथ के बीच सेतु बन सकता है। सीतारमण ने गुरुवार को 10वें वाइब्रेट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के दूसरे दिन अपने संबोधन में कहा कि गिफ्टी सिटी आदर्श रूप से वित्तीय और निवेश



केंद्र के लिए प्रवेश द्वार बनने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को पूरा करने में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कहां कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गिफ्टी सिटी के विचार

संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए विविध फिनटेक प्रयोगशालाएं बनाने का भी लक्ष्य होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (आईएफएससी) में बढ़ते परिचालन के बारे में कहा कि गिफ्टी सिटी में अब अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज सहित 3 एक्सचेंज, 26 विदेशी बैंकों सहित 25 बैंक, 9 विमान लीज कंपनियां, 80 फंड मैनेजर, 50 पेशेवर सेवा प्रदाता तथा 40 फिनटेक संस्थाएं हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजमेर उर्स में चढ़ाने के लिए चादर दी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी और अन्य को एक चादर सौंपी। इस चादर को राजस्थान की धार्मिक नगरी अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स पर अजमेर शरीफ दरगाह पर चढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा



करते हुए लिखा, मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। हमारी बातचीत के दौरान, मैंने पवित्र चादर पेश की, जिसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के दौरान प्रतिष्ठित अजमेर शरीफ दरगाह पर चढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री हर साल अजमेर दरगाह शरीफ के लिए चादर भिजवाते हैं।

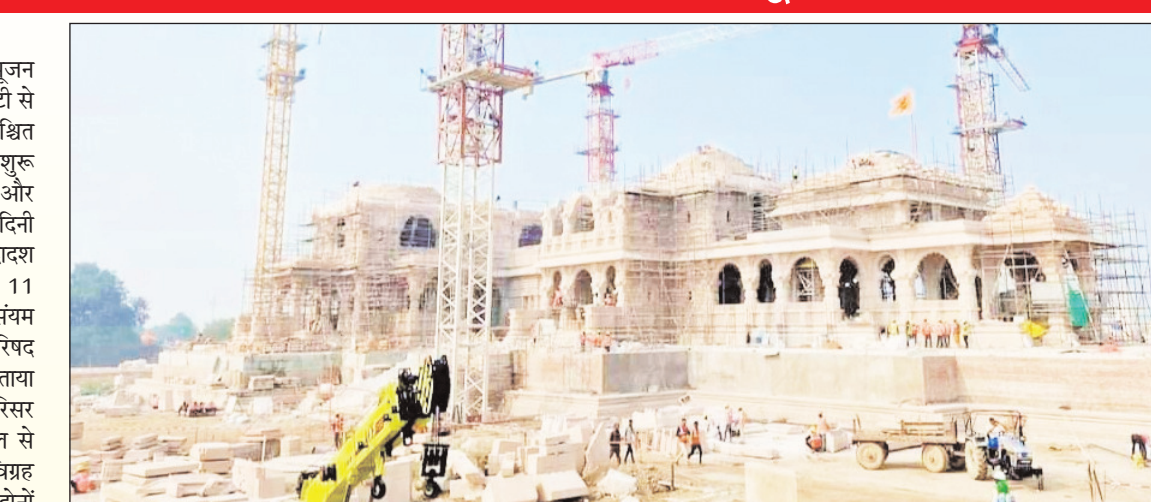
अभिनेता पंकज ने छोड़ी चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन की भूमिका

नई दिल्ली अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन की अपनी भूमिका छोड़ दी है। उनकी हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर फिल्म आने वाली है। चुनाव आयोग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि एक आगामी फिल्म में एक राजनीतिक हस्ती के रूप में अपनी भूमिका के चलते अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने

एमओयू की शर्तों के अनुसार स्वेच्छ से ईसीआई नेशनल आइकन की भूमिका छोड़ दी है। ईसीआई अक्टूबर 2022 से मतदाता जागरूकता और स्वीप में उनके प्रभावशाली योगदान के लिए आभार व्यक्त करता है। लोकतंत्र के पर्व में भागीदारी के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय आइकन के रूप में नामित करता है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा: शिल्पी के प्रायश्चित पूजन के साथ 16 से अनुष्ठान शुरू

अयोध्या रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पूजन की शुरुआत मूर्ति निर्माण स्थल कर्मकुटी से होगी। 16 जनवरी को शिल्पी के प्रायश्चित पूजन के साथ प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। भगवान राम सर्ववर्षी हैं और आदित्य भी द्वादश हैं। इसलिए सात दिनी अनुष्ठान में भगवान के विग्रह के द्वादश अधिवास कराए जाएंगे। समारोह में 11 यजमान होंगे। उनके यम, नियम व संयम 15 तारीख से शुरू होंगे। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक तिवारी ने बताया कि 17 जनवरी को श्री विग्रह का परिसर भ्रमण होगा। इसके बाद तीर्थों के जल से गर्भगृह की शुद्धि होगी। 18 तारीख से विग्रह के अधिवास शुरू होंगे। पहले दिन दोनों समय जलाधिवास के साथ सुगंध व गंधाधिवास भी होगा। 19 जनवरी को प्रातः



फलाधिवास और शाम को धान्याधिवास होगा। 20 तारीख को सुबह पुष्प व

रत्नाधिवास, शाम को घृताधिवास होगा। 21 जनवरी को प्रातः शर्करा, मिष्ठान व मधु

अधिवास होगा। शाम को औषधि और शय्याधिवास कराया जाएगा।

22 को दर्पण देखेंगे प्रभु राम 16 से 22 तारीख तक चतुर्वेद यज्ञ होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ब्रह्मा गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, प्रमुख आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित, सुनील दीक्षित, गजानंद जोगकर, अनुपम दीक्षित, घटाटे गुरुअनुष्ठान कराएंगे। इसमें 11 यजमान भी होंगे। 22 जनवरी को मध्य दिवस में श्री रामलला के विग्रह की आंखों से पट्टी खोली जाएगी और उन्हें दर्पण दिखाया जाएगा। यूपी में 22 जनवरी को स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को राष्ट्रीय उत्सव बताते हुए 22 जनवरी को स्कूल-कॉलेज समेत सभी शिक्षण संस्थाओं में अवकाश की घोषणा की है। इस दिन शराब की बिक्री भी नहीं होगी।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अगुवाई में वाराणसी को भारत के सबसे स्वच्छ गंगा टाउन का प्रथम तथा प्रयागराज को मिला दूसरा पुरस्कार

दो वर्षों में यूपी ने अपने सभी शहरों और कस्बों को खुले में शौचमुक्त बनाने में भी बड़ी सफलता हासिल की : ए.के. शर्मा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वच्छता पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा की, जिसमें उत्तर प्रदेश के दो नगरों वाराणसी को भारत के सबसे स्वच्छ गंगा टाउन का प्रथम एवं प्रयागराज को द्वितीय पुरस्कार मिला। माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के कर-कमलो से आज गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार लेने के बाद यूपी के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि इस बार यूपी ने एक इतिहास रच दिया है, क्योंकि यह पहली बार है कि प्रदेश के दो प्रमुख शहरों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। ए.के. शर्मा ने आगे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के आशीर्वाद और मा. मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में हमने यूपी के शहरी प्रबंधन में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। नगर विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को



बधाई देते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा, हम अगले साल और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ नगर विकास विभाग एवं पुरस्कृत नगर निकायों के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा

कि भारत के स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में यूपी के दो शहरों वाराणसी एवं प्रयागराज को पहली बार स्वच्छता के लिए सर्वोच्च राष्ट्रपति पुरस्कार मिला। स्वच्छता का राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले देश के 10 शहरों में से 02 यूपी के

ही हैं। देश के उत्तर भारत क्षेत्र में प्रदेश के तीन अन्य शहरों को पहली बार क्षेत्रीय पुरस्कार भी मिला। उत्तर प्रदेश ने इन पुरस्कारों में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया...जैसे पहले कभी नहीं हुआ। इसी प्रकार यूपी ने कचरामुक्त शहरों

(जीएफसी) में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और रैंकिंग में जबरदस्त सुधार हुआ। ऐसे शहरों में पिछले दो वर्षों में 13 गुना की वृद्धि हुई है। साथ ही दो वर्षों में यूपी ने अपने सभी शहरों और कस्बों को खुले में शौचमुक्त (ओडीएफ) बनाने में भी बड़ी सफलता हासिल की है। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के घोषित परिणामों में उत्तर प्रदेश राज्य ने उल्लेखनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ष 2023 के स्वच्छता सर्वे में यूपी के दो महानगरों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। इसमें वाराणसी और प्रयागराज शामिल हैं, यह एक बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि पूरे देश में कुल 10 शहरों को यह राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है, जिनमें से दो यूपी के ही हैं। इसके पहले इतनी बड़ी संख्या में यूपी को यह राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिला है। वाराणसी को श्री स्टार गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग तथा प्रयागराज को वाटर प्लस सिटी का दर्जा भी मिला है।



हाईकोर्ट समाचार

हाईकोर्ट ने एक ही मामले में दो आदेश देने वाले देवरिया सदर एसडीएम के खिलाफ जांच के लिए आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ही मामले में दो विपरीत आदेश करने वाले देवरिया के एसडीएम सदर के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव राजस्व से कहा है कि कलेक्टर देवरिया से रिपोर्ट प्राप्त कर एक उच्चस्तरीय जांच गठित करें और इसे एक निश्चित समयबद्धि में पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह आदेश न्यायमूर्ति क्लिज शैलेंद्र ने देवरिया के शिव नारायण तिवारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका की ओर से कहा गया कि राजस्व रिपोर्ट के इंडाज में संशोधन का बाद एसडीएम न्यायालय में दाखिल किया था। इस पर एसडीएम ने 17 अगस्त 2023 को दो आदेश दिया। एक आदेश में उन्होंने वाद खारिज कर दिया जबकि दूसरे आदेश में वाद को स्वीकार कर लिया और इंडाज में संशोधन का आदेश दिया। इन दोनों आदेश को बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के आरसीएमएसपोर्टल पर अपलोड भी कर दिया गया। इसके बाद इनमें से एक आदेश को पोर्टल से डिलीट कर दिया। कोर्ट ने मामले में यूपी सरकार से जवाब मांगा था। यूपी सरकार की ओर से कहा गया कि एक ही तारीख पर दो आदेश हुए थे। एक आदेश पर हस्ताक्षर नहीं थे, वहीं गलती से पोर्टल पर अपलोड हो गया। बाद में वह डिलीट कर दिया गया। इस मामले में एसडीएम कार्यालय के रीडर चंद्रभान चौधरी और राजस्व अलहमद हरेन्द्र पाल के खिलाफ जांच एडीएम वित्त को सौंपी गई है। कोर्ट ने कहा कि जिन दो कर्मियों के खिलाफ जांच वेगई गई है। न्यायिक या अर्धन्यायिक आदेश करने में उनकी कोई भूमिका नहीं होती है। आदेश करने के दोषी एसडीएम योगेश कुमार और के खिलाफ कोई जांच नहीं गठित की गई है। कोर्ट ने कलेक्टर देवरिया को आदेश दिया कि एसडीएम सदर को तलब कर लिखित रूप से उनका पक्ष जानें और एडीएम से रिपोर्ट लेकर अपनी एक रिपोर्ट तैयार करें तथा उसे प्रमुख सचिव राजस्व को प्रेषित करें। कोर्ट ने प्रमुख सचिव राजस्व से कहा है कि वह कलेक्टर की रिपोर्ट मिलने के बाद उच्चस्तरीय जांच गठित करें और जांच कमेटी की रिपोर्ट से इस न्यायालय को अवगत कराएं।

पुरानी पेंशन की मांग नहीं मानी तो मार्च में हड़ताल पर जाएंगे कर्मचारी, रेलवे यूनियन की चेतावनी



प्रयागराज। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर रेलवे कर्मचारी यूनियन का अनशन अनवरत जारी है। बुधवार को ऑल इंडिया रेलवे मैस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि जब तक कर्मचारियों की मांग नहीं मानी जाती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए सरकार को फरवरी माह तक

अल्टीमेटम दिया। कहा कि सरकार यदि फरवरी तक पुरानी पेंशन की मांग पर विचार नहीं करती है तो मार्च से सभी कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएंगे। इसके लिए सभी कर्मचारी संगठनों से बातचीत किया जाएगा। कहा कि इस बार हड़ताल में सिर्फ रेल चक्का जाम ही नहीं सड़क पर भी उत्तरकर परिवहन सेवा भी ठप कर दी जाएगी।

बकाये दारो के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम, प्रयागराज के निदेशानुक्रम में गृहकर वसूली के सम्बन्ध में निर्धारण अधिकारी पी०के० द्विवेदी द्वारा निरन्तर समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में सभी जोनल कार्यालयों में जोनल कर अधीक्षकों द्वारा अभियान में सख्ती दिखाते हुए कई बड़े बकायेदारों/भवन स्वामियों के भवन पर कुर्की की कार्यवाही नियमित रूप से किया जा रहा है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी द्वारा बताया गया कि जोन 04 अल्लापुर में 204 बड़े बकायेदारों की सूची जारी की जा चुकी है जिसमें न्यू0आर0कोड भी अंकित है, ऐसे सभी बकायेदार अपने गृहकर का भुगतान दिये गये न्यू0आर0कोड के माध्यम से जमा कर सकते हैं साथ ही प्रस्तावित कुर्की की कार्यवाही से भी बच सकते हैं। नगर विकास विभाग से प्राप्त निदेशों के क्रम में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राजस्व है शतप्रतिशत वसूली किया जाना है जिसके लिए कड़ाई पूर्वक बकाया



वसूली का अभियान जारी है। इसी के साथ ही जोनल कार्यालय जोन 01 खुल्दाबाद में आज दिनांक 11/01/2024 को जोन-6 (ट्रांसपोर्ट नगर) में गृहकर के 05 बड़े बकायेदारों के खिलाफ सीलिंग/कुर्की की कार्यवाही प्रस्तावित थी। उक्त भवनों से गृहकर बकायेदारों के रूप में कुल ₹-398000.00 (तीन लाख अठ्ठावे हजार) वसूला गया, साथ ही भवन

संख्या 76/74 के 33 अध्यासियों द्वारा ₹ 198000.00 बकाया गृहकर के रूप में जमा कराया गया। इसी प्रकार अन्य वार्डों में भी कई गृहकर बकायेदारों पर दबिश देकर वसूलाया की गयी। अन्य जोन कार्यालय में भी वसूली टीम द्वारा गृहकर की वसूली की गयी। इस प्रकार कुर्की वसूली के दौरान गृहकर में प्राप्त कुल धनराशि ₹0-09.50 लाख की वसूलाया की

गयी। जोनल कार्यालय 06 ट्रांसपोर्ट नगर में आज गृहकर के बड़े बकायेदारों के खिलाफ वसूली अभियान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी महोदय के नेतृत्व में संचालित किया गया कार्यवाही टीम में कर अधीक्षक राकेश कुमार राजस्व निरीक्षक अभिषेक मौर्या एवं प्रदीप सिंह तथा नगर निगम प्रवर्तन दल कार्यवाही में शामिल रहे।

छुट्टा पशु ने किसान को सींग मार मारकर किया जख्मी, अस्पताल में भर्ती

दो माह पूर्व छुट्टा सांड ने एक महिला को ले चुका है जान, ग्रामीण सहमे



मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में छुट्टा पशु किसानों के लिए अभिषाण बनते जा रहे हैं। फसलों के खाने से हाकने पर मवेशी ने किसान को दौड़ा कर जमीन पर गिरा कर जख्मी कर दिया। जिससे नाजूक हालत में निजि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्व में एक सांड ले चुका है एक महिला की जान। कारतकार सहमे हुए हैं। मऊआइमा शाना क्षेत्र के ग्राम देवरा निवासी मुन्नी लाल 55 वर्ष के खेत में छुट्टा मवेशियों का झुंड घुस कर फसलों को नष्ट करने लगे। बताया गया है कि जब मुन्नी लाल डंडा लेकर छुट्टा मवेशियों को खदेड़ने गया तो सारे मवेशी भाग गए परन्तु एक सांड मुन्नी लाल 55 को दौड़ा लिया। जिससे वह गिर पड़ा तो सांड जमीन में सींगों से राइड राइड कर मारने लगा जब ग्रामीण भगाते तो उन्होंने भी दौड़ा लेता। बहरहाल किसी तरह सांड को ग्रामीण भगा कर मुन्नी लाल 55 वर्ष को शहर के निजि अस्पताल में भर्ती कराए हैं बताते हैं जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इसके पूर्व मऊआइमा के एक अन्य गांव की एक महिला को सांड मौत के घाट उतार चुका है।

एसोसियेशन बोरिंग टेक्नीशियन के पदाधिकारियों द्वारा आयोजित हुआ सम्मान समारोह

मेजा। गुरुवार एसोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन जनपद प्रयागराज द्वारा एक सम्मान समारोह सहायक अभियन्ता कार्यालय लघु सिंचाई विभाग विकास भवन प्रयागराज में किया गया जिसमें वरिष्ठ सेवानिवृत्त बो०टे० रामअभिलाष पटेल को सम्मानित करने के साथ साथ नव पदेनित दो अवर अभियन्ता अशोक कुमार पाल एवं सन्तराम यादव को नव नियुक्त सहायक बोरिंग टेक्नीशियन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक अभियन्ता कुमार गौरव लघु सिंचाई विभाग प्रयागराज ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अवर अभियन्ता महोप यमा तथा कृष्ण कुमार मौर्या रहे। कार्यक्रम का संचालन जनपद संरक्षक जीवन लाल पटेल ने किया। मेजा के क्षेत्रीय पत्रकारों से वार्ता के क्रम में जिला मंत्री राजेश तिवारी एसोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन प्रयागराज ने बताया कि सेवानिवृत्त साथी का सम्मान किया गया पुनः नव पदेनित अवर अभियन्ताओं



सहित नव नियुक्त सहायक बोरिंग टेक्नीशियनों का माल्यापण कर सम्मान किया गया। जिला मंत्री तिवारी ने अपने उद्बोधन में सभी सम्मानित साथियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना किया साथ ही साथ संगठन के दायित्व नींव मजबूत रखने के लिए सभी साथियों को संगठन के मान-मर्यादा के अन्तर्गत रहने और कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात कही। जिला मंत्री तिवारी ने यह भी कहा संगठित होकर ही हम अपने स्वर्ग

के हितों की रक्षा कर सकते हैं और हमारे कांधकाल में किसी भी साथी का कोई भी कार्य लाम्बित नहीं रहने पायेगा न ही किसी साथी के साथ कोई भेदभाव एवं अन्याय होने पायेगा। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष ज्योति तिवारी जिला अध्यक्ष धर्मनंद साहू जिला उपाध्यक्ष उमेश कुमार उप मंत्री राकेश कुमार सिंह जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्र यादव एवं जिला संप्रेक्षक संजय भारतीय सहित बहुत से बो०टे० एवं सहायक अभियन्ता कार्यालय के समस्त स्टांप उपस्थित रहे।



योगदान फाउंडेशन के तत्वावधान में गरीबों को बांटा गया कम्बल

मेजा। रंगारंग कार्यक्रम के बीच क्षेत्र के बिसहिजन कला में गुरुवार को योगदान फाउंडेशन के तत्वावधान में अथार्थों व गरीब तबके के लोगों को निः शुल्क कंबल का वितरण किया गया। आंगुक्त अतिथियों का संस्था की तरफ से अनुज तिवारी ने माल्यार्पण कर बैच लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा. एल.एस. ओझा व योगदान फाउंडेशन के फाउंडर चेयर पर्सन अनुज तिवारी अध्यायी ने गरीबों में 500कंबल का निः शुल्क वितरण किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डा.एल.एस.ओझा ने आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में विराजमान हो रहे श्री रामलला की कृपा पाने के लिए अच्छे मन से हर घर व मंदिर में भजन कीर्तन करने व दीपावली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग हर संभव कोशिश करें कि हर गरीब तबके की सहायता होली रहे। उद्बोधन में विशिष्ट अतिथि पं. नित्यानंद उपाध्याय ने योगदान फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि योगदान फाउंडेशन गरीब कल्याण की शायी, गर्मी में ठंडा पानी व ठंड में कंबल वितरित कर सराहनीय कार्य कर है। जहां वरिष्ठ समाजसेवी इ.प.नित्यानंद उपाध्याय एवं ब्लाक प्रमुख मेजा मुन्नन शुक्ला व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, अशोक तिवारी, रिकू ओझा, मनीष द्विवेदी, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामश्रीमणि तिवारी ने किया।

लेखपाल को रिश्वत लेते एंटी करप्शन की टीम ने पकड़ा

अखंड भारत संदेश



झुंसी। लेखपालों के घूस लेने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। फूलपुर तहसील के छिबैया झुंसी में तेनात लेखपाल को गुरुवार को शाम एंटी करप्शन की टीम ने चार हजार रुपये रिश्वत लेते रंग हाथ गिरफ्तार कर झुंसी थाने ले गई और पुलिस को सौंप दिया। लेखपाल पुरतैनी मकान में मालिकाना हक दर्ज करने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। छिबैया गांव निवासी दीपक कुमार पुत्र स्व. सुकुन्धलाल ने एंटी करप्शन में शिकायत की कि लेखपाल राहुल कुमार घरीली में नाम दर्ज करने के नाम पर रिश्वत मांग रहा है। ट्रेप टीम निरीक्षक राजेश सिंह टीम के साथ छिबैया बाजार पहुंचे जैसे ही लेखपाल ने दीपक से पैसे लिए उसे एंटी करप्शन की टीम ने रंग हाथ पकड़ लिया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा

हो गई। पकड़े गए लेखपाल को पकड़कर झुंसी थाने लाया गया जहां लिखा पढ़ी के बाद पुलिस को सौंप दिया गया। ट्रेप टीम निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि पकड़ा गया लेखपाल राहुल कुमार पुत्र स्व. जगदीश कुमार हंडिया थाना के भीटी रामपुर का रहने वाला है। जो कि शिकायतकर्ता से पुरतैनी मकान में धराली, मालिकाना हक दर्ज करने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। बताया जाता है कि लेखपाल विकास कुमार को मृतक आश्रित में नौकरी मिली है।

पाँच सालों से खुला पड़ा है नाला, जिम्मेदार अधिकारी मौन

मांडा। काली माँ के चौराहे पर स्थित बीते पांच सालों से अधिक खुला नाला होने की वजह से आये दिन कोई न कोई राहगीर गिर कर चोटहिल होता रहता है। लेकिन अधिकारियों को तनिक भी ध्यान नहीं है। सम्बन्धित अधिकारी व ग्राम प्रधान की इस अनदेखी के चलते हर दिन दुर्घटना का शिकार हो रहा है। बता दें कि मांडा खास बाजार के तहसील रोड के दोनों नोककड़ों पर चार फिट की नाला जिला पंचायत द्वारा बनाके छोड़ दिया गया है। नाले में ढक्कन न होने की वजह से आये दिन राहगीर उक्त नाले में गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। गौरतलब हो कि गुरुवार को एक अज्ञात बुजुर्ग अपने रिस्तेदारी जा रहा था। इसी बीच फिसलकर नाले में गिरकर चोटहिल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत बुजुर्ग को बाहर निकालकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा। इस सम्बन्ध में ग्रामीणों ने कई बार बीडीओ अमित मिश्रा व ग्राम प्रधान को अवगत कराया लेकिन मामले को ठंडे बस्ते में डाल कर छोड़ देते हैं। जिससे स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच रही सरकार की योजना : सिन्धुजा मिश्रा सेनानी

महराजपुर में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुण्डा विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी सिंधुजा मिश्रा सेनानी एडवोकेट ने उपस्थित जन समूह को किया संबोधित

अखंड भारत संदेश

कुण्डा प्रतापगढ़। विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी की गारन्टी गाड़ी के साथ गुरुवार को कुण्डा विधानसभा के ग्राम सभा महराजपुर में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुण्डा विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी सिंधुजा मिश्रा सेनानी एडवोकेट ने उपस्थित जन समूह के बीच कहा कि



सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। मोदी की गारन्टी गाड़ी गांवों में पहुंच रही है। जो व्यक्ति अभी भी योजनाओं से

लाभान्वित नहीं है। ऐसे लोगों के लिए मोदी की गारन्टी गाड़ी आई है। गाड़ी के साथ सभी विभाग के अधिकारी भी आये हैं। जो आपको योजनाओं का लाभ



दिलाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि अजय सोनकर, जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा राजन, मंडल अध्यक्ष शकरदहदा मोनू शुक्ल, महामंत्री राघवेंद्र

त्रिपाठी, आईटी संयोजक प्रमोद त्रिपाठी, ब्लॉक के अधिकारी गण, ग्राम सभा के गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीण महिलाएं भी उपस्थित रही।

गुरुद्वारा में पहुंचे आरएसएस नेता, माथा टेकने के बाद बांटा गया अक्षत

22 जनवरी को सिखों का भी सहयोग करने का हुआ निर्णय



गुरुद्वारा में मौजूद आरएसएस नेता व सिख समुदाय के लोग।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत आज नगर स्थित गुरुद्वारा नानकशाही में सिख बंधुओं के मध्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख डॉ सौरभ पांडेय, गुरु संपर्क अभियान के सह संयोजक डॉ रंगनाथ शुक्ल, सह जिला व्यवस्था प्रमुख नितेश खंडेलवाल और

दिनेश अग्रहरि ने पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेका और सभी को श्री राम मंदिर का चित्र, पुजित अक्षत और पत्रक का वितरण किया।

इस अवसर पर उपस्थित सिख बंधुओं के मध्य विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतापगढ़ विभाग के विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख डॉ सौरभ पांडेय ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सिख समाज की बड़ी

लोगों को बांटा गया अक्षत व आमंत्रण पत्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा संपर्क अभियान समिति के संयोजकत्व में जिले के सभी कार्यकर्ता लगातार बुद्ध स्तर पर प्रत्येक परिवार तक अयोध्या से आया हुआ पुजित अक्षत, श्री राम मंदिर का चित्र एवं पत्रक लेकर आमंत्रण स्वरूप संपर्क अभियान में पूरी निष्ठा के साथ लगे हुए हैं। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतापगढ़ विभाग के विभाग प्रचार प्रमुख एवं राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा संपर्क अभियान समिति प्रतापगढ़ के जिला सहसंयोजक प्रभा शंकर पांडेय एवं विश्व हिंदू परिषद प्रतापगढ़ के जिला मंत्री एवं अभियान के जिला संयोजक राजन ने सम्पर्क कर लोगों को अक्षत व आमंत्रण पत्र दिया। इस मौके पर संचालक रमेश चंद्र त्रिपाठी, विभाग प्रचारक प्रवेश जी, विभाग कार्यवाह हरीश कुमार, जिला प्रचारक शिव प्रसाद, जिला कार्यवाह हेमंत कुमार, जिला सहसंयोजक शिव शंकर सिंह, जिला प्रचार प्रमुख अंकुश श्रीवास्तव, जिला सहसंयोजक महेश गुप्ता, अभियान के प्रचार प्रमुख शिवेश शुक्ला, विवेक कुमार, मनीष रावत, विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री रजनीश, जिला संगठन मंत्री चंदन, अशोक शर्मा, राम उज्जगर, प्रभात, पीयूष, पंकज, धीरज, सुमित, राज, सारिका श्रीवास्तव, सरोज सिंह, रघुवीर, विनोद, सीतारु, अजय पांडे आदि मौजूद रहे।

भूमिका रही है। धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए श्री गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्रों ने बलिदान दिया। श्री राम सभी के हैं। हम सभी के आराध्य भगवान श्री राम ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन सरदार

मंजीत सिंह गोविंद ने किया। गुरुद्वारा नानक शाही बाबागंज में अक्षत वितरण में प्रमुख रूप से सरदार मंजीत सिंह छाबड़ा, करमजीत सिंह, मंजीत सिंह गोविंद, जगमोत सिंह सरब जीत सिंह अमोलक सिंह सन्नी, परमप्रित सिंह

सिख समाज ने नगर में निकाली प्रभात फेरी

गुरुद्वारा में हुआ भजन शब्द कीर्तन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सिखों के दसवें गुरु धन गुरु गोविंद सिंह के 357वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख समाज द्वारा नौ जनवरी से 16 जनवरी तक प्रतिदिन गुरुद्वारा सिंह सभा पंजाबी कालोनी व गुरुद्वारा नानकशाही बाबागंज से प्रातः छह बजे प्रभात फेरी निकाली जा रही है जो नगर में विभिन्न मार्गों में घूम कर शब्द कीर्तन हरि नाम के हीरो मोती, मैं दिखलावा गली गली वाह वाह गोविंद सिंह आपे गुरुचला गायन करते हुए नगर को भजन शब्द कीर्तन करते हुए नगर को गुरुबाणी से गुंजाए मान कर रहे हैं।

इस दौरान प्रभात फेरी के गंतव्य पर पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के समर्पित एक प्रतियोगिता गुरमत ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन गुरुद्वारा नानक शाही बाबागंज में शाम तीन से आयोजित की गई जिसमें आज 3 वर्ष से 10 वर्ष तक के एवं 11 वर्ष से 35 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सिख गुरुओं, सिख रहत मयादां, सिख इतिहास, सिखों की



नगर में प्रभात फेरी निकाले सिख समाज के पदाधिकारी।

देश के प्रति कुबार्नी से संबंधित प्रशोत्री की गई। सभी प्रतिभागियों को 17 जनवरी को गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर कमेटी द्वारा सम्मानित किया करेगी। इस दौरान

17 जनवरी को गुरुद्वारा गुरु नानक शाही बाबागंज में श्री गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व मनाया जायेगा जिसमें विभिन्न अयोजन किए जाएंगे।

साकेत महाविद्यालय में नमो ऐप की दी गई जानकारी



साकेत महाविद्यालय में मौजूद महिला मोर्चा के पदाधिकारी।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। साकेत महाविद्यालय परिसर में प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव और प्रिंसिपल प्रधानाचार्य नीलम श्रीवास्तव की उपस्थिति में महिला मोर्चा द्वारा मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महिला मोर्चा अध्यक्ष रुचि के सरवानी ने बच्चों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्रियों के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए हुए कार्यों को विस्तार से बताया और नमो ऐप डाउनलोड करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजिका सारिका श्रीवास्तव ने बच्चों को पढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अज्ञात बदमाशों ने उडारी लाखों के जेवरात, जांच में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोरों ने घर में मेन गेट का ताला तोड़कर लाखों के कीमती जेवरात उडा ले गये। कोतवाली की नाक के नीचे शीतलमऊ वार्ड निवासी रघुनाथ सिंह के पुत्र कुंवर बहादुर सिंह ने गुरुवार को पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि नौ जनवरी की राति वह परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात में अज्ञात चोरों ने घर के मेन गेट का ताला तोड़ दिया। इसके बाद बदमाशों ने चैनल का भी ताला तोड़कर आलमारी में रखा सोने की चेन, अंगूठी, मंगलसूत्र समेत तीन से चार लाख कीमती जेवरात व कपड़े चोरी कर ले गये। घटना की अगली सुबह पीड़ित ने घर में आलमारी को खुला देख उसमें सामान बिखरा पाया तो आवाक रह गये। पीड़ित ने पुलिस को घटना के बाबत तहरीर सौंपी है। प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

मारपीट की घटनाओं में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने मारपीट की अलग अलग घटनाओं में आधा दर्जन के खिलाफ केस दर्ज किया है। सिंधौर गांव की धनराजी पत्नी हरिश्चंद्र सरोज ने तहरीर में कहा है कि दस जनवरी को सुबह उसके बेटे विपिन सरोज को गांव के रोहन सरोज तथा रोहन की पत्नी नरहिन व मनीष सरोज एवं दाउद ने लाठी डंडे से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। चुटहिल के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी जानलवा धमकी देते चले गये। वहीं पतुलकी गांव के मो. सलीम की पत्नी गुलफुननिशा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि दस जनवरी को उसके पति मो. सलीम व देवर मो. नसीम ने उसे लाठी डण्डे से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। मारपीट की दोनों घटनाओं में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है, घटनाओं में जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अभ्यर्थी शिक्षण पोर्टल पर कराए पंजीयन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आई0टी0आई0 के नोडल प्रधानाचार्य बी0बी0 सिंह ने बताया है कि जनपद में स्थित उद्योगों/प्रतिष्ठानों में शिक्षण प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत शिक्षण/अप्रेंटिस करने में रुचि रखने वाले महिला एवं पुरुष अपने आपको शिक्षण पोर्टल पर पंजीकृत करावें। उन्होंने यह भी बताया है कि जनपद में संचालित समस्त औद्योगिक प्रतिष्ठान/उद्योग जिनमें कामारों की संख्या 04 या 04 से अधिक है वह भी अपना पंजीयन शिक्षण पोर्टल पर करा लें। रखे गये शिक्षण वित्तिका (स्टाडपेंड) के सप्तेक्ष उन्हें प्रधानमंत्री शिक्षण योजना के अन्तर्गत एवं मुख्यमंत्री शिक्षण योजना के अन्तर्गत भुगतान प्रतिपूर्ति का भी अवसर प्राप्त हो सकेगा। अभ्यर्थी शिक्षण पोर्टल पर किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर संस्थान में अवस्थापित अप्रेंटिस सेल प्रभारी से कार्य दिवस अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

कृषक किसान मेला में प्रतिभाग करने के लिये कराए पंजीकरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने जनपद के समस्त कृषकों को सूचित किया है कि सी0एस0आई0आर0, सी0एम0 लखनऊ में दो दिवसीय किसान मेला 30 व 31 जनवरी 2024 को आयोजित किया जा रहा है जिसमें औषधीय एवं संगंध पौधों के बारे में नवीन अनुसंधान एवं विकास के साथ बाजार की वर्तमान स्थिति की जानकारी से अवगत कराया जायेगा। किसान मेले में भाग लेने हेतु पंजीकरण शुल्क मात्र 100 रुपए प्रति प्रतिभाग है (जिस प्रतिभागों द्वारा स्वयं वहन किया जाना है) जिसमें वितरित किया जाने वाला साहित्य, गोष्ठ में भाग लेना एवं जलपान सम्मिलित है।

भाषण प्रतियोगिता आज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रतापगढ़ द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 जनवरी को युवा दिवस के रूप में नवम्बर नव मवदाता भारत भाग विधाता विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरोजिनी इंटर कॉलेज युवायुक्त में समय एक बजे आयोजित कर रहा है।

बाबूपट्टी गांव में एनआईए ने की छापेमारी, दो घंटे हुई पूछताछ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम ने आज गुरुवार की भोर में जिले के रानीगंज तहसील क्षेत्र के बाबू पट्टी गांव में पहुंची, जहां एक घर में छाप मारकर गहन तलाशी ली, लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा। बताया जाता है कि जिस घर में तलाशी ली गई, उस घर का एक बेटा दिल्ली में रहकर पढ़ाई करता है जिसके पास रहने वाले

दो नवयुवकों का किसी मामले में संलिप्तता पाए जाने पर इनके बेटे का भी नाम प्रकाश में आया है जिस पर आज एनआईए की टीम ने करीब दो घंटे तक परिजनों से पूछताछ की। इस दौरान कोई भी मामला प्रकाश में नहीं आया और एनआईए की टीम पूछताछ करके वापस चली गई। घरवालों का कहना है कि उनका बेटा किसी भी मामले में वांछित नहीं है, वह शक के आधार पर यहां तलाशी लेने आए थे।

नवागत थाना प्रभारी ने कार्य भार किया ग्रहण

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अतिल ने नवाबगंज थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी को जनपद में लगातार कर्तव्य से जमे रहने पर शासन के निर्देश पर गैर जनपद लखनऊ के लिए स्थानतरण किया गया जो गुरुवार को जनपद लीलापुर थाना से आये थाना प्रभारी धीरेंद्र ठाकुर ने नवाबगंज थाना में प्रभारी का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें पूर्व एस एच ओ सुधीर कुमार सोनी अपना कार्यभार नवागत थाना प्रभारी धीरेंद्र ठाकुर को देने के बाद लखनऊ के लिये रवाना हो गये। नवागत थाना प्रभारी धीरेंद्र ठाकुर ने थाने के समस्त स्टॉफ से परिचय किया और कानून व्यवस्था को चाक चैबंद बनाये रखने के लिये दिशा निर्देश दिया।

राम भक्तों की सुविधा के लिये राजमार्ग पर चला अतिक्रमण विरोधी अभियान

नेशनल हाईवे व नगर पालिका की संयुक्त टीम ने भंगवा चुंगी से चैक तक चलाया अभियान



नेशनल हाईवे पर अतिक्रमण हटवाती नेशनल हाईवे की टीम।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रयागराज-अयोध्या राजमार्ग पर बसे प्रतापगढ़ शहर में आज नेशनल हाईवे के अधिकांश अभियंत्रता समृद्ध शुक्ला नगर पालिका के अधिकांश अधिकारी राम अतुल कुरील, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह व शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह अपनी टीम के साथ

भंगवा चुंगी से लेकर चैक घंटाघर तक वृहद अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया।

इस दौरान सड़क के किनारे लगे होटिंम्स, पोस्टर बैनर को उतारा गया। पता चला है कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए राजमार्ग को भक्तों के लिये सुगम बनाने के

धन स्वीकृत होने के बाद भी नहीं शुरू हो सका चैड़ीकरण का कार्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर में अयोध्या-प्रयागराज राजमार्ग को चैड़ीकरण के लिये केन्द्रीय मंत्री द्वारा धन स्वीकृत हो गया है लेकिन यह कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है जिसके कारण भंगवा चुंगी से चैक तक जाम की स्थिति प्रायः बनी रहती है। लोगों का कहना है कि इस अभियान से लोगों को कुछ सहूलियत मिलेगी, लेकिन जब तक चैड़ीकरण का कार्य शुरू नहीं होता, तब तक लोगों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा।

लिये नेशनल हाईवे के अधिकारी व नगर पालिका अस्थाई अतिक्रमण को हटा रही है। इस अतिक्रमण विरोधी अभियान में बुलडोजर, तीन जेसीबी व तीन ट्रैक्टर लगे थे। गुरुवार को अपराह्न लगभग एक बजे यह अभियान शुरू हुआ जो

अपराह्न चार बजे तक बाबागंज पहुंचा था। बताया जाता है कि शाम छह बजे तक यह अभियान चला जिसमें चैक घंटाघर तक अस्थाई अतिक्रमण हटाये गये। सूत्रों का कहना है कि यह अभियान आगे भी चलता रहेगा।

कार की टक्कर से महिला की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात कार की टक्कर से महिला की दर्दनाक मौत हो गयी। पुलिस ने परिजनों की बिना प्रतीक्षा किये शव को पोस्टम के लिए भेजवाये जाने की तैयारी में जुट गयी। इसकी भनक दुर्घटनास्थल पर परिजनों एवं ग्रामीणों को हुई तो उनमें आक्रोश उत्पन्न हो गया। नाराज ग्रामीणों ने मार्ग जाम कर पुलिस से शव को घटना स्थल पर ले आने की मांग करने लगे।

लालगंज कोतवाली के कटरा दुग्धा निवासी रामसमुझ की पत्नी कृपाला 48 गुरुवार को दोपहर बाद घर से पैदल कटरा नहर बाजार खरीददारी के लिए आ रही थी। कटरा नहर के समीप लालगंज की ओर से तेजी से आ रही एक वैगनआर कार ने महिला को जोरदार टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को आननफानन में लालगंज ट्रामा सेंटर इलाज के लिए ले आया गया। यहां चिकित्सकों ने महिला को मृत

मृतका की मौत से बिलख पड़े परिजन, पुलिस कार्रवाई पर दिखा असंतोष

घोषित कर दिया। अस्पताल में मृतका का शव होने की जानकारी पर लालगंज पुलिस पहुंची और पुलिस मृतका के शव को सील कर मुख्यालय भेजवाने की तैयारी करने लगी। इधर कृपाला की मौत की जानकारी परिजनों को हुई तो वह रोने बिलखने लगे। पुलिस द्वारा परिवार के सदस्यों की

प्रतीक्षा किये बाँरे शव भेजवाये जाने की तैयारी की बात सुनकर लोगों में आक्रोश फैल गया। परिजनों को गम व गुस्से में देखकर बड़ी संख्या में बाजार आये ग्रामीण व आसपास के लोग भी वहां जुट गये। नाराज ग्रामीणों ने जलसेसर्जिन हीरागंज मार्ग पर दुर्घटनास्थल के समीप जाम लगा

दिया। जाम की सूचना पर लालगंज कोतवाल अवन दीक्षित फोर्स के साथ पहुंचे। ग्रामीणों व परिजनों की पुलिस से मांग थी कि मृतका के शव को पहले परिवारजनों को दिखाया जाय। वहीं ग्रामीण कार चालक की गिरफ्तारी की भी मांग पर अड़ गये। सड़क पर जाम के कारण घण्टों आवागमन भी बाधित हो उठा दिखा। पुलिस ने नाराज ग्रामीणों व परिजनों को आरोपी कार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। मृतका

कृपाला अपने पीछे छः बेटियां व एक बेटे को निराश्रित छोड़ गयी है। मृतका की तीन बेटियों की अभी शादी नहीं हुई है। वहीं एक विवाहित बेटे की मनोरोगी होने के कारण मृतका के साथ ही रहती थी। वहीं दुर्घटना के बाद ही कार चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित का कहना है कि तहरीर पर आरोपी चालक के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ापे की लाठी है पुरानी पेंशन, सरकार को देना पड़ेगा

चौथे दिन भी जारी रहा कर्मचारियों का अनशन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुरानी पेंशन बुढ़ापे में लाठी के सहारे की तरह है। उसके बिना कर्मचारी का गुजारा कैसे होगा। सरकार को पुरानी पेंशन देना पड़ेगा। यह कर्मचारी का अधिकार भी है। पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए संयुक्त मंच/एन जे सी ए के बैनर तले मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन स्टेशन पर राज्य कर्मचारी

संयुक्त परिषद के जिला मंत्री रमा शंकर तिवारी व एनआरएमयू के विनय मिश्रा, ज्ञानेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में जारी चौथे दिन की भूख हड़ताल पर यह बातें नेताओं ने संबोधित करते हुए कही। शाखा मंत्री अनिल कुमार शुक्ल ने पुरानी पेंशन को आज के सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए मूलभूत आवश्यकता बताया, 40 वर्षों की सेवा के उपरान्त पेंशन ना मिलना सरकार की तानाशाही का नतीजा है। राजेश मोहन मिश्रा ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों



पुरानी पेंशन को लेकर अनशन करते कर्मचारीगण।

का अधिकार है। इसे हम लेकर रहेंगे। शिक्षक संघ के राजेश सरोज ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए हड़ताल करने का आवाहन

किया। इस कार्यक्रम में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के रवि शंकर सिंह, सिंचाई संघ के अंकुश द्विवेदी, राजीव कांत चैधरी, चंद्र भूषण

सिंह, राजेन्द्र पाल, सफाई कर्मचारी संघ के अमर बहादुर यादव, संपत पाल, राम बरन सरोज, राम सजीवन, धीरज शर्मा, राकेश शर्मा, एन आर एम यू से मो. शफीक, दिनेश कुमार पाण्डेय, अवधेश कुमार सिंह, सुधाकर सिंह, अनुपम यादव, राज किशोर, ओ पी राव, दिनेश कुमार, रवि प्रकाश, सुरेश कुमार, सलामत उल्ला, मो. रईश, मो. शोयब, जवाहिर राकेश यादव, अमीर चन्द, नीलकंठ, राम हरी मीना, राज नाथ आशीष यादव, अरुण कुमार, सुनील मिश्रा, धीरज

सिंह, मो. अनिस, सुशीला, सुरेश गौड़, वी बी शुक्ल, अरुण पटेल, संतोष यादव, बृजेश कुमार, हरिकेश मों, के एन मिश्रा, अजय मिश्रा, सुधीर दुबे, रामचन्द्र आनन्द, संदीप गौस्वामी, वी के तिवारी, मनीष कुमार पाण्डेय, संजय डोगरा, चन्द भान गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

आलापुर में इनकम टैक्स विभाग की टीम पहुंचने से व्यापारियों में मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के आलापुर में गुरुवार की दोपहर इनकम टैक्स विभाग की टीम पहुंचने से व्यापारियों में हड़कंप मच गया टीम के एक टेन्ट हाँउस पर पहुंचने पर जैसे ही व्यापारियों को जानकारी हुई सभी ने धडा धड़ अपनी दुकान का शटर गिरा दिया और टीम के चले जाने के बाद अपनी दुकान का शटर खोल दिया। आलापुर में इनकमटैक्स विभाग की टीम की आने की भनक मिलने पर नवाबगंज परियावा बाजार अंसारगंज बाजार में दुकानों की शटर गिर गई जिसके चले जाने के बाद दुकाने खुल गईं। व्यापारियों में अफरा तफरी का माहौल बना रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना की होनहार टीम नासिक महाराष्ट्र रवाना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत सरकार एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयाग राज डॉ0 भास्कर शुक्ल द्वारा प्राप्त पत्र में राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2024 जो इस बार महाराष्ट्र के नासिक शहर में 12 से 16 जनवरी 2024 तक आयोजित होगा। उसमें उ.प्र. दल से हेमवती नंदन बहुगुणा पी जी कालेज लालगंज प्रतापगढ़ के दो स्वयंसेवक आदर्श



राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम को रवाना करते प्रो0 शैलेन्द्र कुमार मिश्र व अन्य। पांडेय, मीनाक्षी कोरी, एवं सरस्वती डिग्री कालेज से प्रिया मिश्रा का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा किया गया है। उत्तर प्रदेश टीम के कांटीजेंट लीडर के रूप में राष्ट्रीय

कार्यक्रम में भारत के सुयोग्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं खेलमंत्री भारत सरकार अनुराग ठाकुर जी मुख्य अतिथि रहेंगे। एनएसएस के इस कार्यक्रम में भारत के सभी राज्यों के दस हजार से अधिक स्वयंसेवक एवं महाराष्ट्र सरकार के दर्जनों मंत्री रहेंगे। प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय प्रयागराज कुलपति डॉ0 अखिलेश सिंह, कुलसचिव साहब, वित्त अधिकारी, महाविद्यालय के प्रबंध समिति के सम्मानित अध्यक्ष डॉ0 पूर्णिमा मिश्रा

एवं कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने दलनायक एवं सभी स्वयंसेवकों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र, प्रोफेसर आलोक दुबे, प्रोफेसर रिचा पांडे, डॉ सीमा त्रिपाठी, डॉ निशान्त पांडे, डॉ.संतोष कुमार मिश्रा, डॉ सतेंद्र तिवारी, डॉ शैलेन्द्र कुमार सरोज, डॉ शिव कुमार यादव डॉ महेश पांडे, अरविंद मौर्य, वज्र घोष ओशा, संतोष दुबे, मयंक सिंह, गोविंद, आदि उपस्थित रहे।

संपादक की कलम से

न्याय यात्रा और वाइब्रेंट गुजरात

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू होने में महज तीन दिन रह गए हैं। 14 जनवरी को मणिपुर से राहुल गांधी फिर देश को जोड़ने वाली यात्रा पर निकलने वाले हैं। मणिपुर के जिस मैदान से यह यात्रा शुरू होनी है, उसके लिए राज्य सरकार ने मंजूरी नहीं दी है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के मुताबिक एक हफ्ते पहले ही कार्यक्रम की अनुमति के लिए आवेदन दे दिया गया था, लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। राहुल गांधी की प्रस्तावित न्याय यात्रा मणिपुर से निकालने का एक खास मकसद है। पिछले साल के मई महीने से मणिपुर अशांत है। विपक्ष के कई नेता मणिपुर जाकर हालात देख चुके हैं। खुद राहुल गांधी भी वहां एक बार जाकर पीड़ितों से मिलकर आए हैं। उन्होंने संसद में बताया भी था कि किस तरह मणिपुर में अत्याचार हो रहा है। वहां महिलाओं, बच्चों और हिंसा से पीड़ित लोगों के किन्ते बुरे हाल हैं।

मणिपुर पर अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए राहुल गांधी ने संसद में भारत माता की हत्या वाला बयान भी दिया था। जिस पर उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ने टोका था और आगे से ऐसा न करने की नसीहत दी थी। हालांकि राहुल गांधी जिस संदर्भ में यह उदाहरण दे रहे थे, वह गलत नहीं था। नेहरूजी ने भी यही बताया है कि भारत माता का मतलब भारत के लोग, यहां की नदियां, जंगल, खेत और पहाड़ हैं। इनमें से किसी का भी शोषण हो, किसी का भी हक मारा जाए, तो वह सही भारत की आत्मा पर, भारत मां पर प्रहार होता है। भारत मां की मूर्ति बनाकर उसकी पूजा करने से देश मजबूत नहीं होगा, बल्कि यहां के लोगों को सशक्त करने से देश मजबूत होगा। हालांकि मौजूदा केंद्र सरकार के विचार इस बारे में शायद अलग हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी मुश्किल से संसद में मणिपुर पर दो-तीन पंक्तियों का बयान दिया था, लेकिन उसके अलावा न वे मणिपुर खुद गए न कोई ऐसा कदम उठाया, जिससे यह संदेश जाए कि सरकार को मणिपुर के लोगों की भी उतनी ही फिक्र है, जितनी राम मंदिर की है या वाइब्रेंट गुजरात के आोजन की।

मणिपुर की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री एम बीरन सिंह ने राहुल गांधी की यात्रा के कार्यक्रम को मंजूरी नहीं देने के विषय में कहा कि मामले पर 'विचार' हो रहा है और सुरक्षा एजेंसियों से रिपोर्ट मिलने के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। वहीं पत्रकारों से बीरन सिंह ने यह भी कहा कि मणिपुर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति 'बहुत गंभीर' है। मणिपुर में कानून व्यवस्था या सुरक्षा के नाम पर अगर कांग्रेस के कार्यक्रम को मंजूरी नहीं मिल रही है, तो इसका साफ मतलब है कि मणिपुर में भाजपा सरकार हालात सामान्य करने में नाकाम रही है।

विपक्ष इसी तर्क के आधार पर बार-बार मुख्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग करता रहा है। लेकिन भाजपा न विपक्ष की मांग सुन रही है, न मणिपुर के लोगों की गुहार। भाजपा सरकार जब खुद विपक्ष के एक कार्यक्रम को सुरक्षा कारणों से अनुमति नहीं दे पा रही, तो यह समझा जा सकता है कि राज्य में अब हालात उसके वकालत में नहीं हैं। राहुल गांधी मणिपुर से इस यात्रा को शुरू करना चाहते हैं ताकि न्याय का संदेश उस घर्सी से निकले, जहां इस वक्त देश ख़बसे अधिक नाइसामी दे रहा है। अफसोस की बात है कि मणिपुर सरकार के इस कदम को भाजपा की विफलता की जगह कांग्रेस को झटके की तरह मीडिया में पैश किया जा रहा है।

हालांकि कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह यात्रा मणिपुर से ही निकालेगी। वैसे यात्रा निकलने से पहले ही भाजपा नेताओं ने इसका मखौल उड़ाना शुरू कर दिया है। कोई इसे राहुल की मोजमस्ती बता रहा है, कोई राजनैतिक तौर पर रिलीफ़ करार दे रहा है। भाजपा नेताओं के ये बयान स्थिरायनी बिल्ली खभा मोरे की कहातम को चर्चित कर रहे हैं। क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी इसी तरह शी गांधी की छवि बिगाड़ने की कोशिश हुई थी, लेकिन अपनी मौल पर निगाहें रखे राहुल गांधी ने रास्ते की अड़चनों को परवाह नहीं की। मणिपुर में चल रही इस राजनैतिक हलचल से प्रधानमंत्री बेशक वाकफ़ होंगे, लेकिन फ़िलहाल उनका ध्यान राम मंदिर के उद्घाटन और वाइब्रेंट गुजरात समारोह पर है। बुधवार को इस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अगले 25 सालों के लक्ष्य पर काम कर रहा है। उन्होंने यकीन दिलाया कि देश जल्द ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत अगर सचमुच आर्थिक तौर पर इतना सक्षम बन जाए तो हरेक देशवासी को इससे खुशी होगी। लेकिन सवाल यही है कि तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कौन सी कीमत देश को चुकानी होगी। क्या इसमें मणिपुर में सैकड़ों लोगों का बहा खून और हसदवे में लाखों पेड़ों के कटने को शहदात की तरह शामिल किया जाएगा या जरूरी निवेश की तरह। क्या 25 साल बाद के भारत के लक्ष्य में अमीर उद्योगपतियों के ही विकास की संभावनाएं हैं, जो साल दर साल अलग-अलग राज्यों में लाखों-करोड़ों के निवेश की घोषणाएं करते हैं, लाखों रोजगारों के सृजन का दावा करते हैं, या फिर सरकार ऐसी व्यवस्था भी करेगी, जिसमें सर्वजनिक क्षेत्र में उद्योग लगेंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से क्या वे कारण खत्म हो जाएंगे, जो राहुल गांधी की न्याय यात्रा का आधार हैं। क्या देश में आर्थिक गैरबराबरी खत्म होगी, क्या सामाजिक और राजनैतिक न्याय की भी संभावनाएं बनेंगी। अगर इन प्रश्नों के सकारात्मक जवाब सरकार दे सकती है तो फिर अकेले गुजरात क्यों, देश के सभी राज्यों में वाइब्रेंट जैसे विशेषण के तहत आोजन हों और सही मायनों में सबका साथ, सबका विकास हो। अगर ऐसा नहीं हो सकता है तो फिर सारी चर्कावीध और तबझाम को असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का शशल ही मानना चाहिए। क्योंकि दस सालों में देश ने बहुत से बड़े दावे सुने हैं, अब बातें बंद और नतीजे दिखाने का वक है।

फोकटगिरी का शौक पालिए !

फोकटगिरी आखिर किसको पसंद नहीं है ? मतलब सबको पसंद है। फोकट में किसी को भी कोई चीज मिल जाए तो धर्म-ईमान की ऐसी की तैसी। आजकल बाजार फोकटगिरी के आधार पर ही तो दिन-प्रतिदिन फल-फूल रहा है। हर कहीं फोकटगिरी बिछी पड़ी है। बाय वन गेट वन प्री, बाय थ्री गेट टू प्री, टवेंटी फाइव परसेंट प्री,फिक्सटी फाइव परसेंट प्री। जी हां प्री, प्री प्री। सड़क से लेकर माल्स तक, शहर-शहर, दुकान -दुकान, डी-मार्ट,सी-मार्ट, के-मार्ट, बिग बाजार जित देखो तित फोकटगिरी हवा में तैर रही है। आइए आइए और प्री में ले जाइए। सबकुछ प्री है। दस हजार के आइटम खरीबो, दो हजार के कूपन प्री ले जाओ प्री की बहार है। प्री से प्यार है। राजनीति हो या व्यापार सबजगह प्री का बोलबाला है। राजनीति में प्री की रेवडियों बांटती हैं और व्यापारी हर आइटम बेचने के लिए प्री का जाल बिछाते हैं। प्री का सम्मोहक राग है। प्री में दिखता सबको फाग है। प्राणकों को पतन नहीं कि ये तो पर्यंकर आग है। लेकिन आज प्री की भागम भाग है। प्री का माल बटोरिये और बन जाइए चटोरिये। ग्राहकों को प्री का चारा डालो और सबकुछ एट डालो। हींग लगे न फिकरकी, धंधा चोखा चलता। व्यापारी और राजनीतिज्ञों के मौज है, दोनों का धंधा खूब फलता। प्री का शाट है, प्री में ही नोट हैं। प्री का जादू चलाओ और सब गल्लन-गप (हडप) कर जाओ। धोती के साथ रूमाल प्री,आटे के साथ चावल, पिज्जा के साथ बर्गर प्री, दिल सभी का मचलावत। प्री का शोर है, प्री का जोर है। ये दिल मांगे मोर है। प्री में घपला है। प्री वाले चपला(चंचल) है। प्री सब अपना है और प्री का नाम जपना है। कुर्सी पूजक जमी प्री का धंधा चलाते और वोट पर वोट हासिल कर जाते। प्री वाले व्यापारी प्री की धुन बजाते। बैठ दुकान में मौज उड़ते। प्री का माडल जब बाजार में चलता अच्छ। आदमी के पास रहता नहीं तब बनियान और कच्छ। हर गली गली, सड़क सड़क आज प्री का संगीत बज रहा। वो देखो प्री की दुकान चलाने वाला पल पल हंस रहा। आइए आइए आप भी प्री के चक्कर में फंस जाइए। प्री मिल रहा है सबकुछ ईश्वर -अल्लाह का शुक्र मनाइए। आइए आइए इस प्री को झेली में भर लें और हम भी इस जीवन रूपी वैतरणी में तर लें। प्री की तान छिड़ी है। जनता प्री के लिए उमड़ी है। प्री पाने के लिए बहुत भीड़ है। हर तरफ उठ रहे "भचड़ी" है। प्री की रेवडियों में जान है, क्या आपको इस बात का जरा सा भी जान है। प्री का काम महान है। प्री की बंशी से आदमी को सुकून सारा मिलता। प्री न फंसा प्री में, बाद में हाथ ही रह जाता मलता। प्री का माल जनता के लिए कल्याणकारी है। फेली प्री की महामारी है। महामारी जरूर है लेकिन आप इस महामारी से बिल्कुल भी न घबरायें। ये महामारी बुरी नहीं अच्छी है। ये आदमी की जेब काटती है लेकिन जेब काटकर भी बहुत कुछ प्री बांटती है। अंत में आप सभी को फोकट की एक सलाह। हम तो आप सभी से यही कहेंगे कि अजी ! फोकटगिरी का शौक जिंदगी में जरूर पालिए। अजी ! फोकटगिरी की बातों को यू ही नहीं टालिए। फोकटगिरी को एक बार नहीं बार-बार अपनयें और महंगाई के इस युग में जिंदगी को सफल बनाएं। जय राम जी की।

पावन अयोध्या धाम मार्ग, रामायण/ रामचरितमानस चौपाइयों, दोहों से सराबोर हुआ

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज ऐसी स्थिति बन गई है कि भारत जब बोलता था या यहां कुछ यादगार पल होते हैं तो दुनियां बहुत गंभीरता से देखती सुनती है। इसी कड़ी में 22 जनवरी 2024 को एक ऐतिहासिक यादगार पल होगा जब 500 वर्षों से अधिक समय की तृप्तानी सामाजिक न्यायिक धार्मिक सहित अनेकों लड़ाइयां लड़कर वह पल आया है जो प्रभु श्री राम को स्वर्ग घर में विराजमान करने की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस पल को एक भारत श्रेष्ठ भारत एक ऐसा यादगार पल बनाने के लिए जो तुड़ मेहनत की जा रहा है कि, भारत साहित पूरी दुनियां की पीढ़ियां तक याद रखेंगी। वैसे तो वर्षों से अयोध्या धाम में तैयारीयां चल रही है, परंतु अभी जो तात्कालिक अध्याय जुड़ते जा रहे हैं,जैसे यूपी एमपी साहित कुछ राज्यों ने द्रव्य डे घोषित किया गया है तो, यूपी में 22 जनवरी 2024 को सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दी गई है। मेरा मानना है कि यह अध्याय सभी राज्यों ने प्रभु श्री राम की आराधना में जोड़ने की जरूरत है जिससे पूरा देश एकजुट होकर यह प्राणप्रतिष्ठा वस्तुअल लाइव देख सके मिरा व्यापार व्यवसाय जगत से भी विशेष अनुरोध है के संभव हो तो सभी संगठन उस दिन छुट्टी का अनुरोध अपने सदस्यों से करें। यॉन शासकीय अशासकीय सामाजिक रूप से एक भारत श्रेष्ठ भारत के सम्मान में व्यापार व्यवसाय सेवा बंद कर इस प्राण प्रतिष्ठा रूपी हवन में आहुति रूपी योगदान दें। आज 10 जनवरी 2024 को देश की बड़ी विपक्षी पार्टी सहित अनेक पार्टियों के मुख्य नेताओं और पार्टियों ने प्राण प्रतिष्ठा निमंत्रण को सम्मानजनक रूप से अस्वीकार कर दिया है, उनका कहना है कि यह एक पार्टी और उनके मातृहित का निजीकार्यक्रम है। तैयारी की कड़ी में 2100 किलो का घंटा आज जलसर आगरा से अयोध्या पहुंच गया है। देश-विदेश से



108 संत महंत प्राण प्रतिष्ठा के पहले अलग अलग धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। कुल मिलाकर कल और आज के अयोध्या में बहुत बड़ा कायाकल्प हो चुका है। चूँकि पूरा देश राम सियाराम सिया राम जय जय राम के सराबोर चुका है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दुनियां देखेगी 22 जनवरी 2024 का दिन व्यापार व्यवसाय रहूँटी पटरी, शासकीय शासकीय हर क्षेत्र को स्वतंत्र संज्ञान लेकर लाइव शामिल होने का संकल्प लेना होगा। साथियों बात अगर अयोध्या से अयोध्या धाम तक के कायाकल्प की करें तो, अयोध्या वैसे तो एक छोट्टा जिला है, लेकिन इसका इतिहास वृहद है। हिन्दू धार्मिक स्थलों में रामनगरी अयोध्या हमेशा से अहम रही है, लेकिन अब इसका भव्य और दिव्य रूप दुनिया के सामने आने वाला है। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को भव्य राम मंदिर का उद्घाटन होना है। रामलला टेंट से गर्भगृह में विराजेंगे पिछले कुछ

महीनों में अयोध्या और उसके आसपास के इलाकों का तेजी से कायाकल्प हुआ है।लाहर की सभी गलियां भगवान राम के स्वागत में सजकर तैयार हैं।आर्थिक तौर पर भी अब अयोध्या देश के पटल पर तेजी से उभरा है। अयोध्या में राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के इर्द-गिर्द ही 50, हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है।दरअसल, हिन्दू धार्मिक स्थलों का विकसित होना, उसके आसपास कारोबार होना, स्थानीय अर्थव्यवस्था का आगे बढ़ना... ये सभी सरकार के सहयोग से अयोध्या में संभव हो रहा है अयोध्या में अब चौपत्ती विकास ये दशात है कि भारत में आध्यात्मिक पर्यटन का अर्थव्यवस्था में अहम स्थान रहने वाला है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने 11 करोड़ लोगों से नव सब करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन लाभग चार गुना रकम दान में मिल गई। करीब 32सव करोड़ रुपये समर्पण निधि के रूप में आए और उसके ब्याज से ही प्रथम तल अब बनकर तैयार है,

जिसका 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे।करीब 18 करोड़ लोगों ने पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते में करीब 32सव करोड़ रुपये (समर्पण निधि) जमा किए हैं. ट्रस्ट ने इन बैंकों में भेजे की फिक्स्ड डिपॉजिट करा दी है, जिससे मिलने वाले ब्याज से ही मंदिर का वर्तमान स्वरूप तक का निर्माण हुआ है। अब ट्रस्ट को उम्मीद है कि उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद समर्पण निधि में भी और उछाल देखने को मिलेगा।ट्रस्ट के मुताबिक 2026-27 तक मंदिर का निर्माण पूरा होगा। ऐसे में इसके परिसर में बनने वाले विश्राम गृह, चिकित्सालय, भोजनशाला, गौशाला आदि के निर्माण में बमुश्किल पूरी समर्पण निधि खर्च हो सकेगी। समर्पण निधि का सालाना ऑडिट भी हो रहा है। बात दें, मंदिर के लिए जुटाई जा रही धनराशि को 'समर्पण निधि' नाम दिया गया है।हामनगरी में भव्य एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनअयोध्या में शानदार रेलवे

स्टेशन और एयरपोर्ट बनकर तैयार हो गए हैं।अयोध्या एयरपोर्ट पर 22 जनवरी को 100 विमान उतरने की संभावना है।महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को 20 महीने के रिक्तों समय में तैयार किया गया है। इस एयरपोर्ट 1450 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। राम मंदिर की कलाकृति भी एयरपोर्ट पर देखने को मिलेगी। एयरपोर्ट मंदिर के स्वरूप में बनाया गया है, जिसके अंदर भगवान श्रीराम के जीवन के दृश्य अलग-अलगकलाकृतियों और पेंटिंग्स के जरिए दर्शाए गए हैं।अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार हो गया है। ये स्टेशन रोजाना 60 हजार यात्रियों को हैंडल कर सकता है। करीब 241 करोड़ रुपये की लागत से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन बनाया गया है. अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तमाम आधुनिकसुविधाओं से युक्त है. इसी कड़ी में अयोध्या धाम जंक्शन से 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई गई. हाईटेक ट्रेनों की सुविधाएं अयोध्या पहुंचने वाले यात्रियों को मिलेंगी। रोड के जरिये भी अयोध्या पहुंचना आसानअगर रोड कनेक्टिविटी की बात करें तो आने वाले समय में अयोध्या सिर्फ धार्मिक स्थल बनकर नहीं रहेगा। अयोध्या के विकास में पीएम गति शक्ति विभाग अहम भूमिका निभा रहा है। अयोध्या में 67 केएम बायपास रोड बनेंगे। अयोध्या में ट्रिक्म तेजी से बढ़ेगा। अयोध्या की प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी से कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी। गति शक्ति से भारत सरकार की 43 मंत्रालय जुड़ा है. इससे 36 स्टेट और यूनियन टेरिटरी भी जुड़ी हुई हैं। व्यापार का हव बनेगा अयोध्या। इस भी देश दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां अयोध्या का रुख कर रही हैं, जिससे यह छोट्टा शहर अब बिजनेस हब बनता जा रहा है। साथियों बातअगर हम 22 जनवरी

2024 को प्राणप्रतिष्ठा के संबंध में तैयारी,बैठकों,अवलोकन व सत्ताधारी पार्टी के तीन पर्यवेक्षकों के सीएम के अवलोकन की करें तो। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या में एक लाख से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद है। कार्यक्रम में पीएम शामिल होंगे।इस इवेंट में रजनीति बिजनेस से लेकर फिल्मी दुनिया से भी बड़े-बड़े स्टार्स आने वाले हैं। सत्ता धारी पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के भव्य प्रतिष्ठा समारोह का देश भर में बूथ स्तर पर सीधा प्रसारण करने की तैयारी है। यह समारोह 22 जनवरी, 2024 को होने वाला है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर श्रीराम अभिषेक के लाइव प्रसारण के लिए बड़ी स्क्रीन लगाने का निर्देश दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को श्री राम लला के अभिषेक को देखने का एक साधन प्रदान करना है। इस तरह, आम जनता श्री राम लला के दर्शन कर सकती है और अभिषेक समारोह देख सकती है। सीएम ने आम जनमानस के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए 22 जनवरी को प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित करने के निर्देश दिए हैं। इस विशिष्ट अवसर को राष्ट्रीय उत्सव' की संज्ञा देते हुए सीएम ने कहा है कि 22 जनवरी को प्रदेश में मंदिरा आदि की दुकानों बंद रखी जायेगी। सीएम ने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में आ रहे गणमान्य जनों को अयोध्या में बेहतर आतिथ्य प्राप्त होना चाहिए। हर एक वीवीआईपी के विश्राम स्थल का चयन पूर्व में ही कर लिया जाए। मौसम के दृष्टिगत संभव है कि कुछ अतिथि एक-दो दिन पहले ही आ जाएं, ऐसे में उनके रुकने की बेहतर व्यवस्था हो। सीएम ने कहा कि अयोध्या में पूरी दुनिया से लोग आने वाले हैं। यहां तैनाती पाने वाले पुलिसकर्मियों का व्यवहार प्रेशा की छवि प्रभावित करने वाला होगा।

युद्ध केवल उन्माद और लोलुपता का परिणाम

युद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चितन में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इसराइल हमस युद्ध में हजारों लोगों की जाने चली गई और 30 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, और युद्ध अभी तक थमा नहीं है युद्ध की विंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती जा रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध कि इतने दिनों से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं हैहूँ रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया हैहूँ रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है, 1 वर्ष से ज्यादा समय से युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोट्टे देश को जीत नहीं पाया हैहूँ युद्ध की अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं। 40 हजार इमारतें बर्बाद हुईं 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। इसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 हजार सैनिक युद्ध में मारे गए है।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं। रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नेटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शारीकी दैते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बर्बादी के कारगर पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेंडेल को ब्रेच का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रैड क्रॉस को प्रदान करेगा। पत्रकार ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का रूस की जनता अंदरूनी तौर पर विरोध करती है एवं भारी असंतोष भी हैहूँ मैं आपको रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि का इतिहास बताता हूं। यूक्रेन एक छोट्टा सा राज्य है, उसकी सैन्य शक्ति भी इतनी क्षमतावान नहीं है कि रूस या अन्य शक्तिशाली देश का सैन्य मुकाबला कर सके,पर अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो के 30 देशों के बहकावे में आकर उसने रूस को नाराज करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन को यकीन था कि रूस के आक्रमण के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और नाटो के कई देश उसकी रक्षा करेंगे, पर ताकतवर,शक्तिमान रूस के हमले के सामने ना तो अमेरिका ने अपना सैन्य आक्रमण किया ना ब्रिटेन ने अपनी सेना ही भेजी और ना ही अन्य नाटो देश में रूस के खिलाफ किसी तरह की जंग ही की है, केवल दूर से बैटकर समझौते करने की बात करते रहे और रूस के आक्रमण की निंदा ही की है। यह आलेख लिखते तक रूस ने कीव पर कब्जा भी कर लिया होगा और उसके समस्त एयर बेस सैनिक अड्डों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन का एयर डिफेंस पूरी तरह चरमरा गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने सभी सैनिक हवाई अड्डों पर रॉकेट लॉन्चर दम कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया है, यूक्रेन के लगभग 40 सैनिकों को मार भी गिराया है, इसमें 10 निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं। रूस ने दावा किया था कि वह नागरिक टिकानों पर बमबारी नहीं करेगा पर मिसाइल तथा गोलियां सैनिकों तथा नागरिकों को अलग-अलग नहीं पहचानती है, और यही वजह है कि सैनिकों के साथ नागरिक भी मारे गए। वर्ष 1914 में यूक्रेन से रूस ने क्रीमिया को अलग कर अपने अधिपत्य में ले लिया था। रूस का कब्जा है कि अमेरिका ब्रिटेन और नाटो देश युक्रेन को एक न्यू विलयन समरिक अड्डा रूस के खिलाफ बनाने की तैयारी कर चुके हैं, और इन सभी देशों के साथ यूक्रेन भी रूस की प्रशिक्षा प्रणाली को बहुत बड़ा खतरा बन गया है। यूक्रेन पर अमेरिकी प्रशासन का पूरा पूरा नियंत्रण है, यूक्रेन प्रशासन केवल कटपुटली मात्र है। इसे संचालित करने वाला अमेरिका तथा ब्रिटेन ही है। यूक्रेन नापातार नाटो देश की सदस्यता के लिए प्रयास करता रहा है और अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन नाटो देश का सदस्य बन कर रूस के खिलाफ एक समरिक अड्डे की तरह उनके काम आए। तत्कालिक कारणों में रूप द्वारा गैस तथा तेल के लिए बिछाई गई पाइप लाइन जो जर्मन तेल गैस तथा तेल पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ थी। जर्मन एक बहुत बड़ा तेल तथा गैस का बाजार है, यहां से सारे यूरोप में आर्थिक गतिविधि शुरू होकर गैस तथा तेल की सप्लाई की जाती है जो कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है यह गैस पाइपलाइन यूक्रेन के क्षेत्र से होकर जनवरी तक जाती है। इससे नाटो देश को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान की संभावना भी है। दूसरी तरफ यूक्रेन, क्रीमिया को अपने पास वापस अपने अधिपत्य में लेना चाहता है, जो वर्तमान में रूस के कब्जे में है, इसके अलावा रूस ने यूक्रेन के दो बड़े क्षेत्र लुहानस्क और डोनेट्स रिपब्लिक को राज्य के रूप में भाषाता से दूँ दे है, यह बहुत बड़े क्षेत्र हैं क्रीमिया के माध्यम से उसने अपनी सेना को यूक्रेन में दाखिल भी किया था।

विवेकानंद ने सनातन हिन्दू को विश्व में स्थापित किया

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

विश्व वन्दनीय स्वामी विवेकानन्द जैसी महान विभूति ने शायद हिन्दुत्व जागरण जैसे महान कार्य के लिये अपना सारा जीवन ही अर्पित कर दिया था। और यही कारण है कि स्वामी जी का स्थान आज विश्व में सर्वोत्तम है। परम अवतार पुरुष रामकृष्ण परमहंस स्वामीजी के गुरु थे। स्वामीजी के कार्य साधना के प्रेरणा स्रोत भी वही थे। कलकत्ते में 12 जनवरी सन् 1863 ई. में संक्रांति के पवित्र त्यौहार दिवस में स्वामीजी का जन्म विश्वनाथ दत्ता बाबू के यहाँ हुआ था। इनकी माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था। माता इन्हें प्यार से "बिले" कहती थीं। वैसे इनका नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। स्वामीजी से परिचित होने के लिये कुछ घटनाओं का जानना अत्यंत आवश्यक है जो निम्न है।



कहा "नही उत्तर बिलकुल सही है।" मास्टर बहुत गुस्सा हुए। उन्होंने उसे न केवल लडाई ही नहीं, बल्कि एक थपड़ भी रसीत कर दिया। लेकिन जब मास्टर घर पहुंचे तो इन्हें मालूम हुआ कि बिले ने जो कुछ बताया था, वही ठीक था। वे बिले के घर खेद प्रकट करने बिले के घर गये। एक दूसरे मौके पर जब मास्टर कक्षा में पढ़ा रहे थे। बिले बातों में लगा था। मास्टर ने उनसे कुछ सवाल पूछे उनका अनुमान था कि वह उत्तर नहीं दे सकेगा, और तब उसे बात करने की सजा दे सकेगी। लेकिन बिले ने सभी सवालों के जवाब खटाखट दे दिये। इस पर मास्टर ने कहा- "ओह, मैं गलती पर था। तुम वह लड़के नहीं हो जो बातें कर रहा था। तब बिले ने उसे कहा "मास्टर जी. यह सच है कि मैंने आपके सवालों का जवाब दे दिया, लेकिन मैं ही वह लड़का हूँ जो बातें कर रहा था।" कुशाग्र बिले - स्वामीजी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। पिता प्रयास करते थे कि किताबी शिक्षा के अलावा नरेन्द्र का चारो ओर से बुद्धि का विकास हो। पिता-पुत्र के बीच तर्क वितर्क भी होता था। अक्सर ही बिले के तर्क के सामने पिता विश्वनाथ बाबू पराजय स्वीकार करने में थोड़ा भी संकोच नहीं करते थे।

कहने के बाद ही राष्ट्र में में हिन्दुत्व जागरण के कार्य को आसानी से कर सकोगे। "जीवन भर अनवरत आगे बढ़ते रहो।रूक जाना अवनति का निशानी है।" - स्वामी विवेकानन्द । शिक्षा का उद्देश्य है मनुष्य के अंदर रौशनी पैदा करना, एक ऐसी रौशनी जो उसे जीवन भर मार्ग दर्शन कराती रहे, उसे भटकते न दे। "स्वामी विवेकानन्द" नरेन्द्र का नया नाम स्वामी विवेकानन्द पड़ गया, जब उन्होंने सन्यास धारण किया और हिंदुत्व जागरण के लिये उन्होंने भारत भ्रमण की लम्बी यात्रा का निश्चय किया। वे देखना चाहते थे कि भारत के विभिन्न भागों के लोगों का रहन सहन कैसा है। इनकी यात्रा के समय एक जोड़ी कपड़ा, एक कर्मंडल, कुछ पुस्तकें और एक दण्ड था। वे गांव-गांव नंगे पैरों से गुजरते लोगों को हातल देखते और उन्हें हिन्दुत्व का उद्देश देते आगे बढ़ते रहे। कभी पेड़ों के नीचे, कभी गरीब की कुटिया कभी, राजमहल उनका आश्रय बनता था। स्वामी जी वाराणसी ,हिमालय, राजस्थान के मरुस्थल, बंबई, बंगलौर,कोचीन, म.प्र. महाराष्ट्र मद्राई होते हुए रामेश्वरम गए। वे जहां जहां भी गये, वहां उन्होंने गरीबों की तकलीफ ही देखी। स्वामीजी यह सब देखकर भीतर से रो पड़े। वे सोचने लगे भारत का अतीत कितना गौरवमय था। यही महान भारत आज कितना गिर गया है। स्वामी जी सोचते रहते कि हमारा देश फिर कैसे अपना खोया गौरव हासिल कर सकेता है।

कुमारी द्वीप कन्याकुमारी जा पहुंचे। वही के एक सागरीय शिला से उन्होंने यह घोषित किया था कि "मुझे राह मिल गई"। जब अमेरिका में सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन होने वाला था तब स्वामीजी ने हिन्दुत्व के जागरण के लिये वहां जाने का निश्चय कर लिया। 31 मई सन् 1893 को स्वामी जी शिकागो (अमेरिका) रवाना हुए। धर्म महासभा की बैठक 11 सितम्बर 1893 से शुरू हुई। सभी धर्मों के प्रतिनिधिगण एक के बाद एक बोले। स्वामीजी तनिक भयभीत थे। आखिकार वे खड़े हुए और मंच में आगे आये और बोले - ""मेरे अमरीकी बहनों और भाईयों! तुरंत ही जनता में हर्षोल्लास उमड़ पड़ा। हजारों श्रोता बार-बार करतल ध्वनि करने लगे। वे पहली बार इतना आत्मीय संबोधन सुनकर गदगद हो उठे थे। स्वामीजी ने गेरूके परिधान में सात हजार लोगों के सामने जो भाषण दिया वह सीधे जाकर लोगों के अंतर को छु रहा था। उनकी तेजस्वी शक्ति गुंज रही थी- "भारत भूमि दर्शन, अध्यात्म, नैतिकता, प्रेम तथा शिष्टाचार की जन्म भूमि है। अपने अनुभव के आधार पर मैं दृढ़ता से कह सकता हूँ कि भारत आज भी इस संबंध में दुनिया का अग्रणी है। इसे महान कार्य करने हैं.....आश्चर्यजनक शक्ति प्राप्त करनी है। हमें दूसरे राष्ट्रों को बहुत सी बातें सिखलानी हैं। स्वदेश में लौटने पर स्वामीजी का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। बंगाल में उन्होंने कहा था- "वे निर्भिक बने और शक्ति उत्साह एवं विश्वास के साथ अपना सब कुछ देश के लिये बलिदान देने को तैयार हो? जाएं। हमारे पूर्वजों ने हमें जो आध्यात्मिक थाती सौंपी है। उससे विश्व की परिचित करावें। तभी तो भारत अपना समुन्नत आध्यात्मिक पद एक बार फिर से प्राप्त कर सकेगा।" "वाराणसी में उन्होंने कहा था- "तुम तब तक हिन्दु कहलाने के अधिकारी नहीं हो सकते, जब तक इस नाम को धारण करने वाला कोई अकिंचन भी दुख दारिद्र्य से पीड़ित है।

18 वर्ष के होते-होते उन्होंने परमहंस की शिष्यता ग्रहण कर ली जब 16 जुन 1885 को रामकृष्ण ने अपना शरीर त्याग किया तो उन्होंने स्वामीजी को संन्यास धारण करने की सलाह दी थी। और अंतिम समय ने उक्त दो दे दिया, लेकिन मास्टर ने कहा कि उत्तर गलत है। बिले ने

कड़ाके की सर्दी भी नहीं डिगा सकी आस्था

श्रद्धालुओं ने पूस माह की अमावस्या में लगाई परिक्रमा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पूस माह की अमावस्या में श्रद्धालुओं ने मंदाकिनों में ढुबकी लगाकर भगवान कामतानाथ की परिक्रमा लगाई। कड़ाके की ठंडी भी आस्था को नहीं डिगा सकी। अमावस्या में भगवान कामतानाथ की परिक्रमा करने को मप्र-उप्र, पंजाब, हरियाणा से लाखों श्रद्धालु चित्रकूट आये।

गुरुवार को पर्व के एक दिन पहले से भारी तादाद में श्रद्धालुओं ने धर्मनगरी में डेरा डाल दिया है। मेला की व्यवस्था को अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। संभावना है कि तीन लाख से अधिक श्रद्धालु मेले में आयेंगे। पूस माह की अमावस्या 11 जनवरी को है। एक दिन पहले से ही श्रद्धालु यहां आ गये। रामघाट समेत मठ-मंदिरों में



परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

ठहरे हैं। भरत मंदिर के महंत दिव्यजीवनदास ने बताया कि चित्रकूट में अमावस्या का बड़ा महत्व है। भगवान राम पत्नी जानकी भाई लक्ष्मण के साथ अमावस्या के दिन भगवान कामतानाथ की

परिक्रमा करते रहे हैं। गोस्वामी तुलसीदास को भगवान राम पत्नी जानकी भाई लक्ष्मण के साथ अमावस्या के दिन ही दर्शन हुए थे। मेला की व्यवस्था को डीएम

अभिषेक आनंद ने अधिकारियों की बैठक कर ठंड से बचाव को अलाव जलाने, रैन बसेरा में श्रद्धालुओं के ठहरने के निर्देश दिए हैं। एमपी सीमा में भी सुरक्षा व्यवस्था को पुलिस के जवान तैनात हो गए हैं।

राष्ट्रीय रामायण मेला की तैयारियां जारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। महाशिवरात्रि पर्व से राष्ट्रीय रामायण मेला महोत्सव शुभारंभ को लेकर कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत करवरीया ने गुरुवार को प्रयागराज में गोवर्द्धन मठपुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य, स्वामी अधोक्षाजानंद देवतीर्थ महाराज को आमंत्रण देकर आने का आग्रह किया है।

गुरुवार को उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की भांति आगामी आठ से बारह मार्च तक होने वाले राष्ट्रीय रामायण मेला को भव्यता देने की तैयारियां चल रही हैं। आयोजन में श्रीरामचरितमानस के मर्मज्ञ, विद्वान, शंकराचार्य, संत-महंत, प्रसिद्ध कलाकार आदि शिरकत करेंगे। धमाकायाँ, शंकराचार्यों, विद्वतजनों को आमंत्रित करने का सिलसिला जारी है।

अमावस्या मेले में पुलिस ने श्रद्धालुओं को बांटे लाई के लड्डू



श्रद्धालुओं को लाई के लड्डू बांटती पुलिस।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस ने इस बार अनूठा कार्य किया है। पुलिस ने श्रद्धालुओं को अमावस्या पर्व पर लाई के लड्डू बांटने का काम किया है। गुरुवार को सीतापुर चौकी

पुलिस ने अमावस्या मेले में सीओ यातायात राजकमल व चौकी प्रभारी सीतापुर श्याम देव सिंह की अगुवाई में श्रद्धालुओं व स्थानीय नागरिकों को निर्मोही अखाड़ा पर लाई के लड्डू का भंडारा किया। इस भंडारे में श्रद्धालुओं समेत स्थानीय लोगों को

लाई के लड्डू बांटे गये। पुलिस ने पहली बार मेला क्षेत्र में आये श्रद्धालुओं को लाई के लड्डू बांटेकर लोगों को चौका दिया। लोगों ने कहा कि पुलिस जहां भीड़ नियंत्रित करती थी, वहीं इस बार श्रद्धालुओं को लाई के लड्डू बांटेकर अनूठा कार्य किया है।

दिल्ली ने ग्लालियर को पांच विकेट से हराया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म स्मृति पर सुभाष चैलेंज कप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट ग्रुप डी का पहला लीग मैच दिल्ली व ग्लालियर के बीच हुआ।

गुरुवार को दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.3 ओवर में ऑल आउट हो गई। 153 रन बनाकर 154 का लक्ष्य दिया। दिल्ली से बल्लेबाजी करते हुए अभिजीत ने 38 गेंद में 26 रन, सक्षम ने 22 गेंद में 29 रन बनाये। ग्लालियर के जय पवन ने पांच ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट, बाला ने 3.3 ओवर में 20 रन देकर दो विकेट लिए। लक्ष्य पाने को दिल्ली ने शानदार बैटिंग कर 17.1 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर लिया। दिल्ली के अवधेश ने 30 गेंद में 33 रन, मयूर व अजय ने 14 गेंद में 47 रन की पारी खेली। ग्लालियर के बलदेव ने चार ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट, परवेज ने चार ओवर में 57 रन देकर एक विकेट लिया। मैच

ऑफ द मैच मयूर रहे। दिल्ली ने मुकाबले को पांच विकेट से जीता। मैच के मुख्य अतिथि सुधांशु अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि ओम केसरवानी, अर्पित अग्रवाल रहे। अंपायर प्रेम नारायण व विजय

भारद्वाज, स्कोरर विजय, सौरभ नाहर, समसुद्दीन, लोकेश सिंह, कमलेश परिहार, रामचंद्र कुरील, आनंद, ऋषि यादव, करन पटेल, रानु, हिमांशु नाहर, अनुराग आदि मौजूद रहे।

हीटर जलाकर सोए बीकॉम के छात्र की मौत, तीन बहनों में इकलौता था राजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनपद में कैराना के गांव भूरा निवासी आर्मी से रिटायर ब्रह्मपाल खेती करते हैं। ब्रह्मपाल फौजी के एक बेटा 21 वर्षीय राजन और तीन बेटियां हैं। राजन कैराना के विजय सिंह पथिक महाविद्यालय में बीकॉम फाइनेल ईयर का छात्र था। राजन के चाचा प्रमोद ने बताया कि राजन को पिछले दो दिन से बुखार आ रहा था। गांव के ही एक डॉक्टर से बुखार की दवाई ले रहा था। वहीं, मंगलवार रात अत्यधिक ठंड के कारण राजन कमरे में हीटर जलाकर सो गया। रात्रि करीब 2:00 बजे राजन को बेचैनी होनी लगी और सांस लेने में भी दिक्कत आने लगी। इसके बाद राजन को रात में ही शामली प्राइवेट नर्सिंग होम ले गए, जहां डॉक्टर ने बताया कि राजन का ऑक्सीजन का स्तर काफी कम है। कुछ ही देर बाद राजन की मौत हो गई। राजन की एक विवाहित और दो अविवाहित बहनें हैं। इकलौते युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक छा गया। बाद में गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

सेवा भारती ने वृद्धश्रम में बांटे स्वेटर-बिस्कुट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला समाज कल्याण विभाग से विनायकपुर में संचालित वृद्ध जन आश्रम में सेवा भारती ने धौषण ठंड से बचाव को वृद्धों को स्वेटर बांटे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, नगर पालिका के ईओ लालजी यादव ने सेवा भारती के जिला महासचिव राजकिशोर शिवहरे से प्राप्त स्वेटरों को वृद्धों में बांटा।

गुरुवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय इटखरी प्रधानाध्यापक/पूर्व ब्लाक स्काउट मास्टर सीताराम सिंह पटेल ने वृद्धों को बिस्कुट बांटे। समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि आश्रम में 150 वृद्ध रहते हैं। भोजन, आवास व अन्य सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है। चिंता जताई कि युवा पीढ़ी में संस्कार न होने से परिवार टूट रहे हैं। एकल परिवार से वृद्ध परिवार में उपेक्षित हो जाते



वृद्धों को स्वेटर बांटते अधिकारीगण।

हैं। लोग घरों से हटाने के प्रयास करते हैं। वृद्धश्रम उन्हीं समाज व परिवार के उपेक्षित वृद्धों को अच्छी सुख-सुविधा देकर घर से भी अच्छे माहौल में रखा जाता है। ईओ लालजी यादव ने कहा कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई, सेवा

ही धर्म है। सच्चा धर्म असहायों की सेवा ही है। ठंड से बचाव को वृद्धों को अलाव की सुविधा दी जाती है। सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने आश्रम में साफ-सफाई का भरोसा दिया। वृद्धजन प्रतिदिन योग अभ्यास करें। शिक्षक सीताराम ने कहा कि सेवा से बढ़कर कोई

कार्य नहीं है। सेवा भारती के राज किशोर शिवहरे ने कहा कि समाज में जरूरतमंदों, दिव्यांगों की सेवा को हर मनुष्य को समय निकालना चाहिए। इस मौके पर नगर पालिका निरीक्षक राहुल कुमार पांडेय, वार्ड मेम्बर शंकर प्रसाद यादव, वृद्धश्रम

प्रबंधक अमरीश श्रौवास्तव, लेखाकार कामता प्रसाद, भंडार प्रभारी राजकुमार, सेवदार भानुप्रताप, प्रियंका देवी, वंदना देवी, सोहन, सुरक्षा कर्मी सुदीप, अनिल यादव, संजय व सेवक अमित कुमार, शिवा, उर्मिला आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं को मेले में न हो कोई दिक्कत: एसपी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी के साथ पूस माह की अमावस्या के महेनजर रात में ही सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

बुधवार की रात पुलिस अधीक्षक ने रामघाट, परिक्रमा क्षेत्र का भ्रमण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता से ड्यूटी करने के निर्देश दिये। सर्दी से बचाव को सुझाव दिये। उन्होंने सभी से कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से विनम्र बर्ताव करें। किसी श्रद्धालु को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने पूरे मेला क्षेत्र का रात में ही जायजा लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को तैनात जवानों



रात में मेला क्षेत्र का भ्रमण करते एसपी आदि।

को दिशा-निर्देश दिये। कहा कि मेले में आये श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

पुलिस टीम ने की एहतियातन जांच

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ प्रज्ञान अनुज कुमार मिश्र की देखरेख में एस चैक टीम बांदा, डॉंग स्ववायड व एलआईयू की संयुक्त टीम ने पूस माह की अमावस्या पर सुरक्षा व्यवस्था के महेनजर रामघाट, परिक्रमा मार्ग के विभिन्न स्थानों व बेड़ीपुलिया स्थित नवीन बस स्टैण्ड आदि स्थलों पर सदिग्ध वस्तुओं व व्यक्तियों की तलाश की। जांच में टीम को कहीं कोई सदिग्ध वस्तु या लोग नहीं मिले। ये जांच एहतियातन की गई है।

20 से 31 तक संस्कृत शिक्षा परिषद की खुली रहेगी वेबसाइट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि सचिव उग्र मध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के निर्देश में उग्र मध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के 2024 की परीक्षा में शामिल होने वाले पूर्व मध्यमा द्वितीय के परीक्षार्थियों के मूल्यांकन के प्राप्तांक विद्यालयों के प्रधानाचार्य से संस्कृत शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर 31 जनवरी तक अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएंगे।

गुरुवार को उन्होंने बताया कि वेबसाइट 20 से 31 जनवरी तक क्रियाशील रहेगी। किसी प्रधानाचार्य

के निर्धारित समय सीमा में मूल्यांकन के अंक अपलोड नहीं किए जाते तो संपूर्ण उत्तरद्वितीय प्रधानाचार्य का होगा। व्यक्तित्व परीक्षार्थियों के प्राप्तांक पंजीकृत केन्द्र के प्रधानाचार्य से निर्धारित

तिथि तक अपलोड किए जाएंगे। सतत मूल्यांकन के अंक विद्यार्थियों को प्रेषित नामावली में अंकित छात्र के पंजीकरण संख्या को अनुक्रमिक मानते हुए अपलोड किए जाएंगे।

ब्राजील से आए संत का स्वागत

अखंड भारत संदेश

मऊ, चित्रकूट। ब्राजील के संत प्रेमनंद महाराज के नेतृत्व में संतों की टोली धर्मनगरी चित्रकूट पहुंची है। सच्चा बाबा आश्रम व ऋषिकेश के संत भी साथ में आए हैं। मऊ कस्बे में उनका भर्त्सो ने जोरदार स्वागत किया। ब्राजील देश के संत प्रेमनंद महाराज ने बताया कि अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम लला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के होने वाले कार्यक्रम भाग लेने के लिए वह आए हैं। इस मौके पर ऋषिकेश संत रामशिरोमणि मिश्र, संत नंदी प्रसाद का मऊ कस्बे में पहुंचने पर स्वागत किया गया।

राजापुर पुलिस ने दो स्थानों से दबोचे आठ जुआरी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार की अगुवाई में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से आठ जुआरियों को जुआ खेलते रीहाथ दबोचा है। गुरुवार को राजापुर थाने के दरोगा कन्हैया बक्शा सिंह ने सिपाही उज्ज्वल पाण्डेय, अजय वर्मा, बुद्धसेन विक्रम के साथ अनुप कुमार द्विवेदी पुत्र देवनाथरायण निवासी चौराहा, नन्दकिशोर रैदास पुत्र राजकुमार, जितेन्द्र उर्फ मोनू पुत्र रामकृष्ण निवासी नादिन कुर्मियान, रामकेश यादव पुत्र शिवमंगल निवासी अमान को ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाते जुआ खेलते दबोचा है। जुआरियों के कब्जे से मालफंडू से 4450 रुपये व ताश के 52 पत्ते, जामा तलाशी से 540 रुपये बरामद किये।

इसी क्रम में राजापुर थाने के दरोगा रामप्रवेश यादव ने दीवान अतीक खॉं, सिपाही मनोज कुमार के साथ गंगा प्रसाद रैदास पुत्र राम सुमन, इन्द्रजीत उर्फ चुन्नु रैदास पुत्र

घसीटे, हंसराज रैदास पुत्र राजकुमार निवासी नादिन कुर्मियान, रमाकान्त मिश्रा पुत्र रामानुज मिश्र निवासी डडिया हरदौली को ताश के पत्तों से हारजीत की बाजी लगाते जुआ खेलते दबोचा है। जुआरियों के कब्जे से मालफंडू से 4100 रुपये व ताश के 52 पत्ते, जामा तलाशी से 400 रुपये बरामद कर चालान किया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में पांच घायल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोग घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक को चिकित्सकों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। राजापुर थाना क्षेत्र के जमहिल निवासी द्वारिका प्रसाद (40) व घनश्याम (35) बाइक से मंगलवार की शाम को गांव जा रहे थे। जैसे ही वह लोढ़वारा मोड़ के पास पहुंचे तो सामने से आए जानवर को बचाने के प्रयास में गिर पड़े। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाइक सवार द्वारिका प्रसाद ने हेलमेट पहना था। एक अन्य घटना में भरतकूप थाना क्षेत्र मऊ बा निवासी राजबहादुर (22) व रामस्वरूप (30) बाइक से बढौसा गांव जा रहे थे। जैसे ही वह सुदिनपुर गांव के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे लूक पतौड़ा निवासी जागेश्वर (40) से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने जागेश्वर को प्रयागराज रेफर कर दिया। दोनों बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था।

धोखाधड़ी से दलित बस्ती में किये विद्युत कनेक्शन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के चर गांव के मजरा बसावनपुर के अनुसूचित जाति की महिलाओं ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई कि उनके गांव में अरविन्द ठेकेदार ने आकर राशन कार्ड देने की बात कहकर मुफ्त में विद्युत उपभोग बनवाने का भरोसा दिया था।

गुरुवार को चर गांव के मजरा बसावनपुर की अनुसूचित जाति की महिलाओं ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में कहा कि उनके गांव में अरविन्द ठेकेदार ने राशन कार्ड लेकर मुफ्त में विद्युत उपभोग बनवाने को कहा था। उसके झांसे में आकर महिलाओं ने बिना मीटर के विद्युत कनेक्शन करवा लिए। अब उनके पास विद्युत बिल एक लाख के ऊपर के आ गये हैं। महिलाओं ने कहा कि उनकी आर्थिक दशा ऐसी नहीं है कि वे विद्युत बिल का भुगतान कर सकें। उन्हें धोखाधड़ी कर विद्युत कनेक्शन दिये गये हैं। विद्युत कनेक्शनों की जांच करवाकर दोषी के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

बाढ़, सर्पदंश, अतिवृष्टि, वज्रपात, भूकंप से बचाने के डीएम ने बताये उपाय



आपदा प्रबंधन पर बोलते जिलाधिकारी।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष/जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व मुख्य कार्यपालक अधिकारी/डीएम श्रीमती वंदिता श्रीवास्तव के निर्देश पर चित्रकूट एंटर कलेज सभागार में बैसिक शिक्षा परिषद से संचालित प्राथमिक व जूनियर विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को आपदा प्रबंधन बाबत जानकारी दी गई। गुरुवार को जिला आपदा विशेषज्ञ राहुल सिंह राजावत ने

भारत सरकार/राज्य सरकार के अधिसूचित विभिन्न आपदाओं से बचाव को ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण को जनवरी से शुरू है। 11 जनवरी को समापन पर प्रत्येक ब्लॉक में दो दिवसीय प्रशिक्षण होगा। मुख्य मास्टर प्रशिक्षक/टीम लीडर विवेक तिवारी, मास्टर प्रशिक्षक प्रेसु वर्मा, राजेश भारती कार्यक्रम को सफल बना रहे हैं। सभी ब्लॉक से शिक्षक, सचिव, प्रधान, समूह सखी आदि को बुलाया है। बाढ़, सर्पदंश, अतिवृष्टि, वज्रपात, भूकंप,

अग्निकांड, लू, शीत लहर आदि आपदाओं दौरान क्या करें, क्या न करें। बाढ़ दौरान धरलू संसाधनों से कैसे निपटें। जनमानस को सुरक्षित करने बाबत जानकारी दी। सड़क हादसे व सर्पदंश से प्राथमिक उपचार की विधि व हदयाघात पर पीड़ित को किस प्रकार सीपीआर दिया जाता है आदि बाबत प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में फायर ब्रिगेड के जवानों ने हिस्सा लेकर आग बुझाने, धरलू सिलेंडर की आग से बचाने के प्रति शिक्षकों को

जागरूक किया। पुलिस ने एक वारंटी दबोचा अखंड भारत संदेश चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वाछित/वारंटी की गिरफ्तारी की जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक मऊ की अगुवाई में दरोगा विनय विक्रम सिंह ने सिपाही संदीप कुमार के साथ एनडीपीएस एक्ट के वारंटी धर्मनंद कुमार द्विवेदी पुत्र राजमकल द्विवेदी निवासी खप्टिहा थाना मऊ को गिरफ्तार किया।

बांग्लादेश में 36 सदस्यीय मंत्रिपरिषद की घोषणा, शपथ ग्रहण आज

ढाका। बांग्लादेश में बुधवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 36-सदस्यीय मंत्रिपरिषद की घोषणा की, जिसमें कई मौजूदा मंत्री भी शामिल हैं। ये सभी गुरुवार को शपथ लेंगे। सूची में 25 कैबिनेट और 11 राज्य मंत्री शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति मोहम्मद शाहाबुद्दीन पद की शपथ दिलाएंगे।

इससे पहले शेख हसीना ने कहा कि अवामी लीग के दोबारा सत्ता में आने से बांग्लादेश की तरक्की अब रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में 2041 तक ह्यस्मार्ट बांग्लादेश बनाने का वादा किया गया था और इस वादे को पूरा करने की दिशा में प्रयास किये जायेंगे। हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी ने आम चुनाव में जीत



दर्ज की है और उनके लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। हसीना ने ढाका के सुहरावदी उद्यान में

अपने पहले भाषण में कहा कि उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का दृष्टिकोण और मिशन देश के नेतृत्व के लिए उन्हें

मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, ह्यद्वय बांग्लादेश की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। सूची के अनुसार, 14 निवर्तमान मंत्रियों को कैबिनेट से हटा दिया गया है। जिनमें विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन, वित्त मंत्री एचएम मुस्तफा कमाल, योजना मंत्री अब्दुल मन्नान, कृषि मंत्री अब्दुर रज्जाक और वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी जैसे दिग्गज शामिल हैं। निवर्तमान मंत्रिपरिषद की संख्या 44 थी। मंत्रिपरिषद की नई सूची में 14 नये चेहरों को कैबिनेट मंत्री और सात को राज्य मंत्री के रूप में नामित किया गया है। बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री ताजुद्दीन अहमद की बेटी सिमिन हुसैन रिमी राज्य मंत्रियों की सूची में नामित नये चेहरों में शामिल हैं।

कोविड संक्रमण बढ़ने पर स्पेन के अस्पतालों में मास्क पहनना हुआ अनिवार्य

मैड्रिड। स्पेन में कोविड संक्रमण और सांस संबंधी बीमारियों के बढ़ने पर अस्पतालों में फेस मास्क पहनने को अनिवार्य रूप से लागू कर दिया गया है। स्पेन में हाल के दिनों में कोरोना संक्रमित मामलों में तेजी देखी गई है। स्पेन में कोविड दर प्रति एक लाख निवासियों पर 952 से अधिक मामलों तक पहुंच गई है। इसी को देखते हुए, स्पेन की सरकार ने बुधवार से अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में फेस मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, मैड्रिड और केस्टिले-लियोन सहित कुछ क्षेत्रों की आपत्तियों के बावजूद स्वास्थ्य मंत्री मोनिना गार्सिया ने कहा कि 17 स्वायत्त समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया स्पेन में



श्वसन संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ी हैं, जिसमें संक्रमण दर प्रति एक लाख निवासियों पर 952 से अधिक मामलों तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्री गार्सिया ने कहा कि आने वाले दिनों में संक्रमण का चरम आने वाला है। उन्होंने कहा, हम स्वास्थ्य केंद्र में प्रवेश करते

समय मास्क पहनने और बाहर निकलने पर इसे उतारने के बारे में बात कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि यह कोई बनावटी बात है, यह एक बुनियादी और सरल उपाय है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए उनका मंत्रालय समुदायों के साथ कंधे से

कंधा मिलाकर काम करेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यूरोप में महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक स्पेन में 2020 की शुरुआत से कुल 13,914,811 कोविड मामलों की पुष्टि हुई है और 1,21,760 मौतें हुई हैं।

पोप ने केरल के सायरो मालाबार चर्च के नए प्रमुख के चुनाव की पुष्टि की

रोम। भारत के केरल स्थित सायरो-मालाबार चर्च में प्रार्थना पद्धति को लेकर दशकों से चले आ रहे विवाद के समाधान की दिशा में कदम उठाते हुए पोप फ्रांसिस ने चर्च के नए प्रमुख के चुनाव की पुष्टि की। पोप फ्रांसिस ने राफेल थाटिल को केरल में स्थित सायरो-मालाबार

गिरजाघर का प्रमुख आर्कबिशप चुने जाने की पुष्टि की। थाटिल को सायरो-मालाबार गिरजाघर के बिशपों की धर्मसभा ने इस पद के लिए चुना। फ्रांसिस ने गिरजाघर के कानून के तहत उनके चयन की पुष्टि की है। थाटिल की नियुक्ति को गिरजाघर के लिए एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है, जो

सार्वजनिक धार्मिक प्रार्थना पद्धति को लेकर हुए विवाद के चलते बंटा हुआ है। 1999 में, गिरजाघर की धर्मसभा ने एक समझौते के तहत एकीकृत पूजा पद्धति अपनाने का निर्णय लिया था, लेकिन गिरजाघर के लगभग 460 पादरियों में से अधिकांश ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

मालदीव और चीन के बीच हुए 20 समझौते

बीजिंग। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु की बुधवार को चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के साथ बैठक के बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रपति मुइज्जु का यह दौरा भारत के साथ विवाद के बीच शुरू हुआ। मालदीव और चीन ने समझौते में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर जोर दिया। उम्मीद है कि माले लौटने से पहले मुइज्जु चीनी प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिल सकते हैं। चीन के फुजियान प्रांत में मंगलवार

को राष्ट्रपति मुइज्जु ने मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मुइज्जु ने कहा कि कोविड से पहले चीन मालदीव का पर्यटन के लिहाज से नंबर एक बाजार था। मालदीव पर्यटन मंत्रालय द्वारा हाल में जारी आंकड़े के अनुसार, 2023 में पर्यटन के हिसाब से भारत से आने वालों की संख्या सबसे अधिक थी। रूस दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर था।

मुइज्जु की चीन यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ उनके मंत्रियों की टिप्पणियों और मालदीव के यूरोपीय संघ चुनाव अवलोकन मिशन की रिपोर्ट जारी होने के बीच हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल काँग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जु ने जीत हासिल की थी।

पापुआ न्यू गिनी में दंगों में 16 लोगों की मौत के बाद आपातकाल घोषित

पोर्ट मोरेस्बी। पापुआ न्यू गिनी के प्रधान मंत्री ने पोर्ट मोरेस्बी और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर लाई में भड़के दंगों और लूटपाट में 16 लोगों के मारे जाने के बाद आपातकाल की घोषणा कर दी है। दंगों में इन दोनों सबसे बड़े शहरों को काफी नुकसान हुआ है। वेतन विवाद के विरोध में सैकड़ों पुलिस अधिकारियों, सैनिकों, जेल कर्मचारियों और लोक सेवकों के इस्तीफे के बाद बुधवार को राजधानी पोर्ट मोरेस्बी में भड़की हिंसा के बाद प्रधानमंत्री ने सरकारी अफसरों और पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। पापुआ न्यू गिनी सरकार ने वेतन कटौती के लिए प्रशासनिक गड़बड़ी को जिम्मेदार ठहराया।



टेलीविजन फुटेज में राजधानी पोर्ट मोरेस्बी की सड़कों पर हजारों लोगों को दिखाया गया है, जिनमें से कई लूट के माल को लेकर जा रहे हैं और शहर के ऊपर काला धुआं फैल रहा है। ऑस्ट्रेलियाई राज्य प्रसारक एबीसी ने गुन्धारे को पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि पोर्ट मोरेस्बी में दंगों में नौ लोग मारे गए। सोने और तांबे के खनन वाले देश के उत्तर में स्थित लाई में सात लोग मारे गए। प्रधान मंत्री जेम्स मारापे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने पापुआ न्यू गिनी के पुलिस प्रमुख और वित्त और राजकोष

विभागों के शीर्ष नौकरशाहों को निलंबित कर दिया है, जबकि सरकार दंगों के कारणों की समीक्षा कर रही है। संघर्ष दंगों के सवूत है। उन्होंने कहा कि समीक्षा यह सुनिश्चित करेगी, "हम लोकतंत्र को सुरक्षित रखते हैं, हम कानून के शासन को सुरक्षित करते हैं।" उन्होंने कहा कि आगे की अशांति को रोकने के लिए लगभग 1,000 सैन्यकर्मी तैयार थे। राजधानी में हिंसा गुरुवार को कम

हो गई, सरकार ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस तैनात कर दी। पोर्ट मोरेस्बी में संयुक्त राज्य दूतावास ने कहा कि पुलिस काम पर लौट आई है, लेकिन तनाव अभी भी बरकरार है। एक बयान में कहा गया, "आपेक्षित शांति एक क्षण में बदल सकती है।" इसमें कहा गया है कि उसे देश के कई अन्य इलाकों में हिंसा की खबरें मिली हैं। चीनी दूतावास ने कहा कि कई चीनी नागरिक मामूली रूप से घायल हो गए, चीनी स्वामित्व

वाली दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। गौरतलब है कि पापुआ न्यू गिनी एक विविधता भरा विकासशील देश है, जहां अधिकतर किसान गुजर बसर करते हैं। यहां करीब 800 भाषाएं बोली जाती हैं। यह दक्षिण प्रशांत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिस्से में है। 10 मिलियन लोगों के साथ, यह ऑस्ट्रेलिया के बाद सबसे अधिक आबादी वाला दक्षिण प्रशांत देश है, जो 26 मिलियन लोगों का घर है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी

अल्बानीज ने कहा कि देश का उच्चायोग स्थिति की निगरानी कर रहा है, और कैनबरा को पापुआ न्यू गिनी से मदद के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है, जिसे वह नियमित रूप से पुलिसिंग और सुरक्षा में समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हूहम इस कठिन समय में शांति का आग्रह करना जारी रखते हैं। हमें इस समय पीएनजी सरकार से कोई अनुरोध नहीं मिला है, लेकिन पापुआ न्यू गिनी में हमारे मित्र हैं, उनके साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। पापुआ न्यू गिनी दूरदराज के क्षेत्रों में बढ़ती जनजातीय हिंसा और नागरिक अशांति को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है और इसका दीर्घकालिक लक्ष्य अपने पुलिस अधिकारियों की संख्या 6,000 से बढ़ाकर 26,000 करना है। अपने वेतन पैकेज में कटौती का पता चलने के बाद पुलिस बुधवार सुबह हड़ताल पर चली गई। सरकार ने सोशल मीडिया पर इस बात से इनकार करते हुए संदेश प्रसारित किया कि पुलिस पर कोई नया कर लगाया गया है, और मारापे ने कहा कि किसी भी प्रशासनिक त्रुटि के कारण वेतन में कमी हुई है, उसे ठीक किया जाएगा। एक अधिकारी ने बुधवार को स्थानीय रेडियो एफएम100 को बताया कि पुलिस के बिना शहर ने "नियंत्रण खो दिया है"।

क्या विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति पद के दावेदारों में शामिल नहीं किए जाने से गुस्से में हैं?

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी का राष्ट्रपति चुनाव अभियान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर आकर्षित करने के बाद खटम हो सकता है - जैसा कि उन्होंने अपने बारे में कहा है - "एक अजीब उपनाम वाला दुबला आदमी"। रामास्वामी बुधवार को होने वाली रिपब्लिकन प्राथमिक बहस के लिए अर्हता प्राप्त करने में



विफल रहे, आइयोवा काँकस से केवल पांच दिन पहले, जो रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के लिए प्रहमरी की शुरुआत करेगा। उन्होंने कुछ सप्ताह पहले टीवी पर विज्ञापन देना बंद कर दिया था और इलिनोइस में प्राइमरी में भी भाग नहीं ले रहे हैं, क्योंकि उनका नाम उम्मीदवारों की सूची में नहीं है, जबकि अन्य सभी रिपब्लिकन : पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व गवर्नर निककी हेली, गवर्नर रॉन डेसेंटिस और पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी शामिल हैं। ऐसी खबरें हैं कि उनके प्रचार कर्मचारी पहले से ही उनके मैदान से हटने की उम्मीद में नौकरी की तलाश कर रहे हैं। ओहियो के 38 वर्षीय व्यक्ति

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए सर्वेक्षण में चौथे नंबर पर हैं, ट्रंप से पीछे, जो माइल्स, डेसेंटिस और हेली से पीछे, लेकिन क्रिस्टी से आगे हैं। और यह राजनीति में एक नवागंतुक के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। लेकिन राजनीति में एक और बाहरी व्यक्ति ट्रंप, जिन्होंने 2016 में नामांकन जीता था, के विपरीत रामास्वामी अपने लक्ष्य के कहीं भी करीब नहीं दिख रहे हैं। हालांकि, रियलक्लियर पॉलिटिक्स के राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के कुल औसत में उनका औसत 4.4 प्रतिशत है, वह आइयोवा में चौथे और न्यू हैम्पशायर में छठे स्थान पर है, जो रिपब्लिकन प्राइमरी में दूसरा राज्य है।

हौथी विद्रोहियों के लाल सागर में हमलों के खिलाफ सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पारित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को लाल सागर में व्यापारी और वाणिज्यिक जहाजों पर हौथी मिलिशिया द्वारा किए गए हमलों की निंदा करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्ताव में कहा गया कि लाल सागर के जहाजों पर हौथी हमलों की "कड़े शब्दों में" निंदा की जाती है। यह हौथी मिलिशिया से ऐसे सभी हमलों को तुरंत रोकने की मांग करता है, जो वैश्विक कारोबार में बाधा डालते हैं और नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को कमजोर करते हैं, और हौथी से गैलेक्सी लीडर और उसके चालक दल को तुरंत रिहा करने की मांग करता है।



प्रस्ताव इस बात की पुष्टि करता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, व्यापारी

और वाणिज्यिक जहाजों द्वारा नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रयोग का

सम्मान किया जाना चाहिए, और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार हमलों से अपने जहाजों की रक्षा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के अधिकार पर ध्यान देता है। प्रस्ताव में त्वरित, कुशल और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय तनाव में योगदान देने वाले संघर्ष और समुद्री सुरक्षा में व्यवधान सहित मूल कारणों के समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। यह लाल सागर और व्यापक क्षेत्र में स्थिति को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए सावधानी और संयम बर्तने का आह्वान करता है, और संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में बातचीत और यमन की शांति प्रक्रिया के लिए निरंतर समर्थन सहित सभी पक्षों द्वारा राजनयिक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।

दुनिया भर में सबसे खराब ढाका की वायु गुणवत्ता, लाहौर और दिल्ली भी पीछे नहीं

ढाका। दुनिया भर के खराब वायु गुणवत्ता वाले शहरों की सूची में ढाका एक बार फिर शीर्ष पर रहा। गुरुवार सुबह 9 बजे इसका एक्वआई स्कोर 280 रहा। वायु गुणवत्ता सूचकांक के मुताबिक ढाका की बेहद खराब वायु गुणवत्ता से लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का खतरा है। लंबे समय से वायु प्रदूषण से जूझ रहे ढाका में

सर्दियों के दौरान स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है और मानसून में इसमें सुधार पाया जाता है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक वायु गुणवत्ता सूचकांक में ढाका शहर की वायु गुणवत्ता सबसे खराब पाई गई है। जबकि दुनिया के दूसरे देशों में पाकिस्तान का लाहौर दूसरे, भारत का दिल्ली तीसरे और कोलकाता चौथे स्थान पर है। लाहौर का

एक्वआई स्कोर 234 और दिल्ली का 224 व कोलकाता का 190 पाया गया है। जब एक्वआई स्कोर 101 से 150 के बीच हो तो यह वायु गुणवत्ता संवेदनशील लोगों के लिए यह हानिकारक है। जबकि 150-200 के बीच यह सभी प्रकार के लोगों के लिए हानिकारक है। जबकि 201-300 के बीच वायु गुणवत्ता बेहद

खराब है जबकि 301 से ऊपर का स्कोर सर्वाधिक खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, वायु प्रदूषण से हर साल दुनिया भर में करीब 7 मिलियन लोगों की मौत हो जाती है। वायु प्रदूषण से हार्ट अटैक, हृदय संबंधी रोग, फेफड़ों का कैंसर और गंभीर किस्म की स्वास्थ्य संबंधी रोग होते हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्यम् समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं
क्रियायोग आश्रम एंव अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस नं० :
9565333000
Email:-
akhandbharsandeshi@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।